हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 | अंक - 04 | बेमेतरा, गुरुवार 21 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 10 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

चीन भारत को करेगा दुर्लभ खनिज समेत कई चीजों की आपूर्ति

नईदिल्ली। भारत और चीन के बीच संबंध सामान्य होने के संकेत मिल रहे हैं। भारत दौरे पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को आश्वासन दिया है कि चीन उर्वरक, दुर्लभ खनिज और सुरंग खोदने वाली मशीनों (टीबीएम) की आपूर्ति बहाल करेगा। बता दें कि ये बेहद अहम संसाधन हैं, जिनकी कमी से भारत के कृषि, ऑटोमोबाइल और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर असर पड़ रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री जयशंकर ने पिछले महीने अपनी चीन यात्रा के दौरान अपने समकक्ष यी के साथ यूरिया, एनपीके और डीएपी, दुर्लभ खनिज और टीबीएम की आपूर्ति का मुद्दा उठाया था। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री की भारत यात्रा पर इन चीजों की आपूर्ति बहाल करने पर सहमति बनी है।

पंजाब के जालंधर में बब्बर खालसा के 2 आतंकवादी गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब के जालंधर में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस ने बताया कि एक आरोपी रितिक नारोलिया है, जबकि दूसरा राजस्थान का एक किशोर है। दोनों को काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) ने पकड़ा है। इनके पास से एक चीनी टाइप 86पी हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया है। आरोपी कनाडा स्थित बीकेआई के सरगना जीशान अख्तर और अजय गिल के निर्देशों पर काम कर रहे पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खुलासे के बाद उनके सहयोगी विश्वजीत को कोलकाता और जैक्सन को जालंधर के नकोदर से पकड़ा गया है। विश्वजीत मलेशिया भागने के फिराक में थे। ये दोनों भी अख्तर और गिल से निर्देश लेते थे। यादव ने बताया कि दोनों ने जुलाई में अपने साथियों से 2 हैंड ग्रेनेड लिए थे, जिसमें एक 10 दिन पहले एसबीएस नगर की एक शराब की दुकान में फोड़ा गया है।

दिल्ली में बार-बार स्कूलों को ईमेल से धमकी देने वालों को पकड़ना क्यों हुआ मुश्किल

नईदिल्ली। दिल्ली में सोमवार को 3-4 नहीं बल्कि 32 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। ये धमकियां ईमेल के जरिए किसी द टेरराइजर्स 111 ग्रुप नाम के संगठन ने भेजी थी। कथित आतंकी समूह ने ईमेल में 5,000 डॉलर की क्रिप्टोकेरेंसी मांगे थे। यह पहली बार नहीं है, जब स्कूलों को धमकी मिली है। इससे पहले 300 स्कूलों को एक साथ धमकी मिल चुकी है। सवाल ये है कि इन्हें पकड़ना मुश्किल क्यों है?आइए जानते हैं। समूह ने ईमेल में लिखा, हमनें स्कूल भवनों में पाइप बम और उन्नत विस्फोटक उपकरण लगाए हैं। 72 घंटों के भीतर हमारे एथेरियम पते पर 5,000 डॉलर क्रिप्टो करें, वरना हम बम विस्फोट कर देंगे। अगर मांगों को नजरअंदाज किया गया।

विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का विस्तार

गजेंद्र,खुशवंत साहेब और राजेश ने ली मंत्री पद की शपथ

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। साय सरकार में तीन नए मंत्रियों को शामिल किया गया है। इन विधायकों ने बुधवार को छत्तीसगढ़ राजभवन में मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। शपथ लेने वाले विधायकों में राजेश अग्रवाल, गुरु खुशवंत साहेब और गजेंद्र यादव शामिल है। तीन मंत्रियों की नियुक्ति के साथ साय मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या अब बढ़कर 14 हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक और अधिकारी मौजूद रहे। राज्य गठन के बाद से छत्तीसगढ़ में पिछली सरकार तक मुख्यमंत्री सहित 13 मंत्री रहे हैं। छत्तीसगढ़ ने 'हरियाणा मॉडल' अपनाया है, जहां 90 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित 14 मंत्री होते हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, किसी राज्य के मंत्रिपरिषद का आकार, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। विधानसभा की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। 90 सदस्यों वाले छत्तीसगढ़ में यह सीमा 13.5 है, जिससे 14 कैबिनेट सदस्यों के लिए जगह बनती है। छत्तीसगढ़ में 90 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 14 सदस्य हो सकते हैं। राज्य में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में जीत के बाद 13 दिसंबर, 2023 को नई सरकार का गठन हुआ था। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में हुए शपथ ग्रहण समारोह में विष्णु देव

साय ने मुख्यमंत्री के रूप में तथा अरुण साव और विजय शर्मा ने उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। पीएम मोदी भी आए थे। 22 दिसंबर 2023 को नौ अन्य विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी, जिसके बाद साय मंत्रिमंडल में कुल 12 सदस्य हो गए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में रायपुर लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद रायपुर दक्षिण सीट के विधायक और मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस्तीफा दे दिया था। तब से साय मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत कुल 11 सदस्य ही थे। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद साय मंत्रिमंडल के 14 में से सात सदस्य- अरुण साव, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, टंक राम वर्मा, लक्ष्मी राजवाड़े और गजेंद्र यादव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं। वहीं मंत्रिमंडल के तीन सदस्य- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रामविचार नेताम और केदार कश्यप अनुसूचित जनजाति वर्ग (एसटी) से हैं। राज्य मंत्रिमंडल में अनुसूचित जाति (एससी) से दो सदस्य दयालदास बघेल और गुरु खुशवंत हैं तथा सामान्य वर्ग से दो सदस्य विजय शर्मा और राजेश अग्रवाल हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला सदस्य हैं। आज शपथ लेने वाले नए मंत्री राजेश अग्रवाल, खुशवंत और गजेंद्र यादव पहली बार के विधायक हैं। नए मंत्रियों के साथ 14 सदस्यीय साय मंत्रिमंडल में आठ सदस्य ऐसे हो गए हैं, जो पहली बार विधानसभा के लिए चुनकर आए हैं। साय मंत्रिमंडल में उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी पहली बार के विधायक हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद साय सरकार में सरगुजा संभाग से पांच, बिलासपुर संभाग से तीन, रायपुर संभाग से दो, दुर्ग संभाग से तीन तथा बस्तर संभाग से एक सदस्य हैं।

ओवैसी का मोदी सरकार पर वार

देश को पुलिस राज बनाना चाहती है बीजेपी-ओवैसी..

नई दिल्ली। केंद्र सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को इस कदम को असंवैधानिक करार दिया और भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी। ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है; यह विधेयक

इसके खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट मिल जाएगी। मुख्यमंत्री को विधानसभा में हटाया जाता है। एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा?...

उपराष्ट्रपति चुनाव : संजय राउत का बड़ा दावा

एनडीए को बहुमत पर भरोसा नहीं इसलिए विपक्ष से कर रहे संपर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए उपराष्ट्रपति चुनाव में अपनी संख्या को लेकर आश्वस्त नहीं है, इसलिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहा है। विपक्ष ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुधर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि एनडीए ने सी.पी. राधाकृष्णन को उतारा है। राउत ने राधाकृष्णन के झारखंड के राज्यपाल कार्यकाल पर भी सवाल उठाए। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने बुधवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए को अपनी संख्याबल पर भरोसा नहीं है। इसी कारण एनडीए के नेता विपक्षी दलों से समर्थन मांग रहे हैं। राउत ने सवाल उठाया कि जब बहुमत आपके पास है, तो विपक्ष से समर्थन की जरूरत क्यों पड़ रही है। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि विपक्षी गठबंधन का संख्याबल भी मामूली नहीं है। विपक्ष ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुधर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि भाजपा की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल रह चुके सी.पी. राधाकृष्णन को मैदान में उतारा गया है। राउत ने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने कई विपक्षी दलों से आधिकारिक तौर पर संपर्क किया और वोट की अपील की। राउत ने सीधे सवाल उठाया कि अगर एनडीए को संसद में बहुमत का भरोसा है, तो विपक्षी नेताओं से संपर्क करने की

मजबूरी क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि यह साफ संकेत है कि एनडीए की स्थिति उतनी मजबूत नहीं है जितनी दिखाने की कोशिश की जा रही है। राउत ने आरोप लगाया कि इस बार भी सत्ताधारी गठबंधन अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने से पहले विपक्ष से संवाद करने में नाकाम रहा। संजय राउत ने भाजपा के उम्मीदवार और पूर्व राज्यपाल राधाकृष्णन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब राधाकृष्णन झारखंड के राज्यपाल थे, तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजभवन से ही गिरफ्तार किया था। राउत के अनुसार यह पूरी कार्रवाई संवैधानिक परंपराओं के खिलाफ थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राधाकृष्णन ने उस वक्त ईडी अधिकारियों को नहीं रोका और न ही संवैधानिक दायरे में अपनी भूमिका निभाई। राज्यसभा सांसद राउत ने कहा कि विपक्ष की लड़ाई केवल एक पद के लिए नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र बचाने की लड़ाई है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला

आरोपी पर हत्या की कोशिश समेत तीन धाराएं लगीं-आईबी

नईदिल्ली । एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। यह हमला उन पर तब हुआ, जब वह सिविल लाइंस स्थित कैंप कार्यालय में जनसुनवाई कर रही थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पर चिल्लाना शुरू कर दिया और उनको थप्पड़ भी मारा। इस दौरान काफी अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह एक बड़ी सुरक्षा चूक मानी जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी 41 वर्ष का राजेशभाई खिमजीभाई

सकारिया है, जो गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का एक रिश्तेदार जेल में है और वह उनकी रिहाई के लिए प्रयास कर रहा है। इस संबंध में वह अपना पत्र लेकर मुख्यमंत्री के पास आया था। यह मामला कोर्ट में लंबित है। दिल्ली पुलिस आरोपी के बारे में और अधिक पता करने के लिए गुजरात पुलिस से संपर्क में है। जनसुनाई में मौजूद अंजली रमेजा ने बताया, जब यह घटना हुई, तब वह मुख्यमंत्री लोगों को सुन रही थीं। हमें पीछे से शोर सुनाई दिया, और जब तक हम मुड़े, पुलिस हमलावर को पकड़ कर ले जा चुकी थी। पत्रकार ने उनसे थप्पड़ मारे जाने की बात पूछी तो उन्होंने बताया कि हां, उनके ऊपर हमला हुआ था और रेखा जी पूरी तरह सदमे में थीं। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि अचानक से हमला हो गया, जो गलत है। सूत्रों ने दिल्ली पुलिस के सूत्रों के हवाले से बताया कि मुख्यमंत्री पर पर एक भारी वस्तु फेंकी गई।

गंगा और यमुना समेत 17 नदियां उफान पर, 25 शहरों में बाढ़ का संकट

नईदिल्ली। देश भर में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है और लगातार हो रही बारिश से हाल बेहाल है। इस बीच राज्यों में बहने वाली नदियां भी उफान मार रही हैं। केंद्रीय जल आयोग ने बाढ़ पूर्वानुमान को लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। आयोग के मुताबिक, देश में करीब 17 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं, जबकि कई पार करने की कगार में हैं। दिल्ली और भागलपुर समेत कई शहरों में बाढ़ का खतरा है। आयोग के मुताबिक, दिल्ली में पिछले 3 दिनों से बारिश बंद है, लेकिन फिर भी यमुना नदी उफान पर है। मंगलवार को पुराने रेलवे पुल पर नदी का जलस्तर 205.78 मीटर दर्ज किया गया है।

कर सुधारों की जरूरत के बारे में बताया

वित्तमंत्री निर्मला जीएसटी पर राज्यों के मंत्री समूह से मिलीं

नई दिल्ली/ एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को जीएसटी सुधारों पर राज्यों के मंत्रिसमूह (जीओएम) के साथ बैठक की। बैठक के दौरान राज्यों के मंत्रिसमूह को जीएसटी व्यवस्था में व्यापक सुधारों के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में बताया गया। इन सुधारों में कर की दरों में कटौती और व्यवसायों के लिए अनुपालन बोझ को कम करना शामिल है। बीमा कराधान और क्षतिपूर्ति उपकर पर गठित मंत्री समूह दो दिनों तक केंद्र के 'अगली पीढ़ी' के जीएसटी सुधारों पर विचार-

विमर्श करेगा। इसके तहत 5 और 18 प्रतिशत की दर से कर लगाया जाएगा। 5-7 वस्तुओं पर, जिनमें हानिकारक वस्तुएं भी शामिल हैं को 40 प्रतिशत की विशेष दर के तहत लाने का प्रस्ताव किया गया है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम है और केंद्र सरकार आने वाले हफ्तों में राज्यों के साथ आम सहमति बनाने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों पर केंद्र का प्रस्ताव तीन स्तंभों पर आधारित है- संरचनात्मक सुधार, दरों को युक्तिसंगत बनाना और जीवन में आसानी। दरों को युक्तिसंगत बनाने, बीमा कराधान और क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह के साथ बैठक के दौरान, सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार का प्रस्ताव भारत की आत्मनिर्भर भारत बनने की यात्रा में जीएसटी सुधारों की अगली पीढ़ी की शुरुआत करने के लिए है।

9 सितंबर को है चुनाव

एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन ने भरा उपराष्ट्रपति पद का पर्चा

नई दिल्ली । एजेंसी

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने आज बुधवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया. सीपी राधाकृष्णन के नामांकन के समय उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत एनडीए के कई कद्दावर नेता और अन्य सांसद उनके साथ पर्चा दाखिल करने के समय पहुंचे. बता दें कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होना है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नामांकन पत्रों के पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक थे. नामांकन 4 सेटों में दाखिल किया गया. प्रत्येक सेट में 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों के हस्ताक्षर थे. पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक के रूप में पीएम मोदी के हस्ताक्षर होंगे, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ एनडीए नेताओं के हस्ताक्षर थे. इस तरह से ये गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है. इस तरह से इस ब्लॉक के जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से सीपी राधाकृषणन की सीधी टक्कर होगी. संसद भवन में नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान मंत्रियों और सांसदों सहित एनडीए के लगभग 160 सदस्य मौजूद थे. गौर करें तो सीपी राधाकृष्णन को नामित करने का निर्णय केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के आवास पर एनडीए के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान सर्वसम्मति से लिया गया था. एनडीए के वरिष्ठ सहयोगी और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सर्वसम्मति से मिले समर्थन की पुष्टि करते

हुए कहा कि सभी उपस्थित नेताओं ने राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के लिए अपना पूरा समर्थन देने का संकल्प लिया था. इससे पहले रविवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक जीवन में सीपी राधाकृष्णन के योगदान की सराहना की और उन्हें विनम्रता, बुद्धिमत्ता और जमीनी स्तर से जुड़ाव वाला नेता बताया. सोशल साइट पर एक्स पर पोस्ट किए गए एक संदेश में, पीएम मोदी ने कहा, अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में, थिरु सीपी राधाकृष्णन जी ने अपने समर्पण, विनम्रता और बुद्धिमत्ता से खुद को प्रतिष्ठित किया है. उन्होंने हमेशा सामुदायिक सेवा और हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है. मुझे खुशी है कि एनडीए परिवार ने उन्हें हमारे गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित करने का फैसला किया है. भाजपा के वरिष्ठ नेता और मेघालय के वर्तमान राज्यपाल राधाकृष्णन का राजनीतिक और प्रशासनिक करियर व्यापक रहा है. वह तमिलनाडु से संसद सदस्य रह चुके हैं और अपनी विधायी कुशलता तथा सामाजिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं. उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव अगले महीने होने हैं और संसद में एनडीए की संख्या बल में बढ़त को देखते हुए राधाकृष्णन के जीतने की पूरी उम्मीद है. हालांकि इंडिया ब्लॉक ने कड़ी टक्कर देने की लंबी प्लानिंग कर रखी है।

आज जस्टिस रेड्डी करेंगे उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन

विपक्ष की तरफसे उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी कल अपना नामांकन दाखिल करेंगे। बता दें कि उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन की आखिरी तारीख भी कल यानी 21 अगस्त ही है। वहीं इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा, 'मैं इससे खुश हूं। मैं अपने नामांकन से खुश हूं। अगर यह अप्रिय होता, तो मैं यह यात्रा क्यों करता और आगे क्यों बढ़ता? मैं इससे खुश हूं।' उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होना है और उसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं।

रायपुर में 24 अगस्त को होगा वैष्णव समाज का भव्य युवक–युवती परिचय सम्मेलन

रायपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ वैष्णव महासभा के तत्वाधान में प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन, निर्वाचित जनप्रतिनिधि सम्मान एवं मठाधीश महंतों व तीज मिलन समारोह का आयोजन आगामी 24 अगस्त 2025, रविवार को किया जा रहा है। राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक एवं प्राचीन मंदिर श्री दुधाधारी मठ, सत्संग भवन में यह आयोजन प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर हरि इच्छा तक चलेगा। यह अवसर न केवल युवक-युवतियों के परिचय हेतु एक सशक्त मंच प्रदान करेगा बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और एकता को भी प्रगाढ़ बनाएगा। महासभा के पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजन में प्रदेशभर से वैष्णव समाजजन, विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में युवक-युवतियाँ भाग लेंगे। बाहर से आने वाले अतिथियों के लिए ठहरने एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति ने सभी इच्छुक युवक-युवतियों से समय रहते अपना पंजीयन कराने का विशेष आग्रह किया है ताकि वे इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठा सकें। समाज के होनहार विद्यार्थियों को भी इस अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। विशेष प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं से अपील की गई है कि वे अपनी अंकसूची शीघ्र भेजकर पंजीयन कराएं, ताकि समारोह में उनका सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त आयोजन में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया जाएगा तथा समाजजन तीज पर्व के उल्लास में भी सहभागी बनेंगे। यह जानकारी राकेश दास वैष्णव ने दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ वैष्णव महासभा के प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ एवं सभी सदस्यगण मिलकर लगातार कार्य कर रहे हैं। समाज के सभी बंधु-भगिनी से अपील की गई है कि वे सपरिवार उपस्थित होकर इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करें।

नरहरपुर के प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास की दीवारें और छत जर्जर, बच्चों की जान पर मंडरा रहा खतरा

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर के नरहरपुर ब्लॉक स्थित प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास इन दिनों खस्ताहाल स्थिति में है। बेहद पुराना यह भवन अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है, लेकिन मरम्मत के नाम पर ठेकेदार द्वारा पुरानी दीवारों पर ही नई छत की ढलाई की जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तरीका बेहद खतरनाक है और किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। छात्रावास में रह रहे बच्चों ने बताया कि छत से लगातार प्लास्टर झड़ रहा है और कई जगह गहरी दरारें स्पष्ट दिख रही हैं। अभिभावक और ग्रामीण प्रशासन से लगातार नए भवन के निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन सुस्ती और लापरवाही के कारण बच्चों को मौत के साए में रहना पड़ रहा है।

खेल मैदान की बदहाली

छात्रावास का खेल मैदान भी-

उपयोग लायक नहीं रह गया है। यहां नगर के बड़े आयोजनों के चलते-मिट्टी व घास खराब हो चुकी है, चारों ओर गंदगी फैली रहती है और लोहे की सुरक्षा-घेराबंदी भी टूटी हुई है। शाम होते ही मैदान असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है, जहां शराबखोरी और बोतलें तोड़ने जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं।

प्रशासन पर सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि राजस्थान में हाल ही में हुई स्कूल की दुर्घटना के बाद भी कांकेर प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया है। सालो पुराने खस्ताहाल भवन में बच्चों को रखकर उनकी जान को खतरे में क्यों डाला जा रहा है? मरम्मत के नाम पर लापरवाहीपूर्ण बलाई किसी भी समय गंभीर हादसे को जन्म दे सकती है।

मांग

ग्रामीण और अभिभावक तत्काल इस छात्रावास भवन को खाली कराकर बच्चों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक आवास की व्यवस्था, और खेल मैदान की सुरक्षा व सफाई की मांग कर रहे हैं।

''छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव'' अंतर्गत विविध कार्यक्रम का किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर ''छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव'' अंतर्गत जिले की सभी परियोजनाओं में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में बलौदा में व्यंजन प्रतियोगिता के माध्यम से स्थानीय व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। बाल मेले में बच्चों द्वारा बनाए गए खिलौनों की प्रदर्शनी, रंगोली प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस एवं मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित हुई। पामगढ़ परियोजना में बालिका सुरक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जिसमें 142 महिलाएं और 82 किशोरी बालिकाओं का एच.बी./एनीमिया एवं पोषण जांच किया गया। नवागढ़ में साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र, प्रश्नोत्तरी एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त सखी वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सेवाओं - परामर्श, चिकित्सकीय सहायता, विधिक सहायता, पुलिस सहयोग, अस्थायी आश्रय, महिला हेल्पलाइन 181 एवं डायल 112 के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही बाल संरक्षण इकाई की कार्यप्रणाली एवं विभागीय योजनाओं से संबंधित ब्रोशर का वितरण किया गया।

ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में सख्त कार्रवाई

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार के नेतृत्व में जिले में विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही की गई जिसमें बीते 03 दिवस में अलग अलग जगहों से 24 शराबी वाहन चालकों को पकड़ा। इसके अतिरिक्त सघन वाहन चेकिंग के दौरान तेज गति (ओवरस्पीडिंग) से वाहन चलाने, बिना हेलमेट के मोटर सायकल चलाने, बिना सीट बेल्ट लगाए चारपहिया वाहन चलाने, माल वाहक वाहन में सवारी बैठाकर चलाने वाले एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर इस प्रकार कुल 319 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही कर समन शुल्क लिया गया है।मालवाहक गाड़ियों में सवारी बैठाकर ले जाने वाले एवं तेज गति (ओवरस्पीडिंग) वाहन चालकों एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही की जा रही है।सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए उचित बचाव के लिए की जा रही है लगातार कार्रवाई, शराबी वाहन चालकों के वाहनों को जप्त कर उनके विरूद्ध धारा 185 मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है, जिसे न्यायालय पेश किया जाएगा।पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय (ढ्ढक्क-) के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार के नेतृत्व में यातायात पुलिस जांजगीर चांपा द्वारा जिले में सड़क दुर्घटना में कमी लाने एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार मोटर अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 17.08.25 से लेकर 19.08.25 तक तीन दिवस तक सघन वाहन चेकिंग किया गया। जिसमें चेकिंग के दौरान 24 व्यक्तियों के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने पाए जाने पर चालकों के विरूद्ध के धारा 185 द्व1 डुष्ह्र के तहत कार्यवाही करते हुए वाहनों को जप्त किया जाकर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

यातायात जांजगीर चांपा पुलिस की अपील

1. शराब के नशे में वाहन न चालाएं। 2. तेज गति से वाहन न चलाएं। 3. हेलमेड पहन कर मोटर सायकल चलाए। 4. मोटर सायकल में ट्रिपल सवारी न करे। 5. माल वाहक वाहन, ट्रैक्टर, पिकअप या अन्य माल वाहक वाहन में सवारी न बैठाए। 6. रात्रि यात्रा में विशेष सतर्कता बरते। 7. नींद या नशे की स्थिति में वाहन चलाने पर सख्त प्रतिबंध।।8. यातायात नियमों का कड़ाई से पालन। 9. नाबलिकों को वाहन नहीं चलाने देवे।

जिले में अब तक 393.7 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 20 अगस्त 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 393.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 617.8 मि.मी. तथा न्यूनतम 281 मि.मी. वर्षा भिंभौरी तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 345.3 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 383.6 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 350.5 मि.मी., देवकर तहसील में 372 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 483.7 मि.मी., वर्षा नवागढ़ तहसील में 283 मि.मी. एवं साजा तहसील में 426 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

नगर सेना भर्ती हेतु परीक्षा परिणाम जारी

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

1715 महिला नगर सैनिकों की छात्रावास ड्यूटी हेतु तथा 500 महिला एवं पुरुष नगर सैनिक जनरल ड्यूटी हेतु भर्ती कार्यवाही की गई है। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि जिसका परिणाम 08 अगस्त 2025 को जारी किया गया है। उक्त भर्ती परिणाम विभागीय वेबसाइट httpsÑ//www.cghgcd.gov.in एवं httpsÑ//firenoc.cg.gov.in में अपलोड किया गया है। चयनित अभ्यार्थियों को 01 से 10 सितम्बर 2025 तक जिला मुख्यालय में अपने समस्त आवश्यक मूल दस्तावेज तथा 02 सेट स्वप्रमाणित छायाप्रति एवं 03 नग पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो के साथ उपस्थिति होना सुनिश्चित करेंगे। नगर सेना भर्ती परीक्षा परिणाम हेतु अभ्यर्थी वेबसाइट का अवलोकन कर सकते है।

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने नव नियुक्त मंत्रियों को दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश की राजनीति में नए इतिहास का अध्याय रचते हुए विधायक गजेन्द्र यादव, विधायक गुरु खुशवंत साहेब एवं विधायक राजेश अग्रवाल को बीते बुधवार को प्रदेश मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। इनके मंत्री पद की शपथ ग्रहण एवं दायित्व संभालने पर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं विधायक दीपेश साहू ने राजधानी में मुलाक़ात कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि ड्डप्रदेश की जनता के हितों की रक्षा, विकास कार्यों का गति प्रदान करना एवं हर वर्ग तक शासन की योजनाओं को पहुँचाना ही किसी भी मंत्री का सर्वोच्च धर्म है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि गजेन्द्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब और राजेश अग्रवाल अपने अनुभव, समर्पण और प्रतिबद्धता के बल पर प्रदेश की सेवा में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेंगे। उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा।÷विधायक साहू ने आगे कहा कि बेमेतरा की जनता भी इस अवसर पर अत्यंत गौरवान्वित एवं प्रसन्न है। यह हम सबके लिए हर्ष और सम्मान की बात है कि हमारे प्रदेश को ऐसे ऊर्जावान एवं कर्मठ नेतृत्वकर्ता प्राप्त हुए हैं। अंत में विधायक दीपेश साहू ने तीनों मंत्रियों को सफल कार्यकाल, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि उनका अनुभव और कुशल नेतृत्व प्रदेशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा।

स्वास्थ्य सचिव ने दिए शुभ संकेत, 5 लाख कर्मचारियों को मिलेगी बड़ी राहत

कर्मचारियों के लिए कैशलेश चिकित्सा सेवा का हुआ रास्ता साफ

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के लाखों कर्मचारियों के लिए अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में राहत की उम्मीद जग चुकी है। लंबे समय से कैशलेश कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा राज्य सरकार से कैशलेश और निःशुल्क चिकित्सा सेवा की मांग उठाई जा रही थी। प्रदेश के लगभग 5 लाख कर्मचारी और उनके परिवारजन इस सुविधा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लंबे समय से उठ रही थी मांग–

कर्मचारियों का कहना है कि वर्तमान समय में इलाज पर होने वाला खर्च दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इलाज के लिए उन्हें अपनी जेब से भारी भरकम रकम खर्च करनी पड़ती है। कई बार छोटे-छोटे इलाज के लिए भी कर्मचारियों को निजी अस्पतालों में कर्ज लेकर जाना पड़ता है। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधा कैशलेश और निशुल्क होने से कर्मचारियों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी।

संघ का प्रतिनिधिमंडल मिला स्वास्थ्य सचिव से

इसी संदर्भ में कैशलेश कर्मचारी कल्याण संघ का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल संगठन संयोजक राकेश सिंह और प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती उषा चंद्राकार के नेतृत्व में स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया से मिला। बैठक के दौरान कर्मचारियों की समस्याओं, बढ़ते चिकित्सा खर्च और कैशलेश सुविधा की जरूरत पर विस्तार से चर्चा हुई। संघ ने स्वास्थ्य सचिव को ज्ञापन सौंपते हुए मांग रखी कि राज्य के सभी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कैशलेश आधार पर मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाए, जिससे चिकित्सा का आर्थिक बोझ कर्मचारियों पर न पड़े।

सचिव ने दिए शुभ संकेत

बैठक में स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने कर्मचारियों की इस महत्वपूर्ण मांग पर सकारात्मक रुख अपनाया और शुभ संकेत दिए। सचिव ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि इस मांग पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है और जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। उनके इस बयान से कर्मचारियों और संगठन में खुशी और संतोष का माहौल है।

बड़ी संख्या में शामिल हुए पदाधिकारी

इस प्रतिनिधिमंडल में संघ के प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें विशेष रूप से विजय कोचेद्र आजूराम सिंह लिखेश कुमार वर्मा विनोद सिंह मिर्ज़ा बेग कासिम दिलेश्वर साव मंजुलता सोरी पीयूष कुमार गुप्ता प्रांतीय आईटी सेल प्रभारी धीरज तिवारी, रायपुर संभाग अध्यक्ष देव कुमार साहू दुर्ग संभाग अध्यक्ष पंकज कुमार राठौर सरगुजा संभाग अध्यक्ष विनोद सोनी और बिलासपुर संभाग अध्यक्ष प्रहलाद साहू जी जिला संयोजक अविनाश,प्रेमचंद, डडसेना ,ओमप्रकाश सोनवानी, रवि सिंघन दुबके, अजय जयसवाल, अजय सिदार ,मनोज कश्यप, आशीष, राजेश कुमार, कुंदन साहू ,चंद्र प्रकाश तिवारी ,मोहित जैन, मंजू यूईके, डोमप्रकाश के साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। 28 अगस्त 2025 को जिला दुर्ग में कर्मचारियों का एक बड़ा सम्मेलन होने वाला है,, सभी ने एक स्वर में कहा कि अगर सरकार इस मांग को लागू करती है तो यह छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय होगा।

कलेक्टर संबित मिश्रा ने बेदरे क्षेत्र का किया निरीक्षण, अंतरराज्यीय पुल से विकास को नई दिशा देने का भरोसा

बीजापुर/मूक पत्रिका

कलेक्टर संबित मिश्रा एवं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे ने बुधवार को बेदरे क्षेत्र का दौरा कर निर्माण कार्यों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्र और पोटा केबिन का निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत कलेक्टर ने अंतरराज्यीय निर्माणाधीन बेदरे पुल से की। उन्होंने गुणवत्ता की जांच कर अधिकारियों को इसे समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि बेदरे में बन रहा यह पुल छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले को महाराष्ट्र राज्य–विशेष रूप से नागपुर से जोड़ेगा। यह पुल न केवल दोनों राज्यों को जोड़ेगा बल्कि क्षेत्र के विकास को गति देने और संपर्क बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके बाद कलेक्टर एवं सीईओ ने शासकीय बालक आश्रम और कन्या आश्रम का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों से पढ़ाई, भोजन और अन्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों को मेन्यू के अनुसार पौष्टिक मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही नवीन कन्या आश्रम भवन को शीघ्र पूर्ण कराने पर जोर दिया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा किया। यहां ग्रामीणों ने एम्बुलेंस सुविधा, चिकित्सक और पर्याप्त स्वास्थ्य स्टाफ की मांग रखी। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर मिश्रा ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही क्षेत्र में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम के अंतर्गत पोटा केबिन का भी अवलोकन किया गया। कलेक्टर ने साफ-सफाई और स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष बल देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

बस्तर के किसानों के लिए नई दिशा – मैनेजमेंट विद्यार्थियों ने किया 'मिलेटअप' प्रोसेसिंग प्लांट का औद्योगिक दौरा

जगदलपुर/मूक पत्रिका

माँ हिंगलाजिन सेवा समिति गिरोला, जिला बस्तर द्वारा स्थापित ड्रीम प्रोजेक्ट 'मिलेटअप' के मिलेट प्रोसेसिंग प्लांट में 20 अगस्त 2025 को क्राइस्टा कॉलेज जगदलपुर के मैनेजमेंट विभाग के विद्यार्थियों ने औद्योगिक दौरा किया। इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मिलेट प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन की प्रक्रिया की जानकारी देना था। 'मिलेटअप' प्रोजेक्ट बस्तर के किसानों की आय बढ़ाने, स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दिलाने तथा क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान मिलेटअप के सीईओ अचिंत गुलाटी एवं मार्केटिंग हेड अर्जुन पाण्डेय ने विद्यार्थियों को मिलेट प्रोसेसिंग की विभिन्न तकनीकी जानकारियाँ दीं। इस अवसर पर क्राइस्टा कॉलेज के ॥ह्ष्ठ ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज डॉ. दिव्या दंडवाणी, असिस्टेंट प्रोफेसर हर्षा खोबरागड़े एवं पार्थ आचार्य भी मौजूद रहे। इसके साथ ही समिति की सक्रिय सदस्याएँ श्रीमती देवकी बघेल, श्रीमती फूलमती साहनी, श्रीमती फूलों, श्रीमती नवीना, श्रीमती सुनती, श्रीमती रमती भोयर सहित सुखलाल बघेल, बंशीधर बघेल, दशरथ बघेल, भूषण कश्यप, रूपधर कश्यप, सेवक लाल, हेमसागर यादव, गुड्डू यादव, नरसिंह नाथ, बलिराम कश्यप एवं अन्य सदस्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस औद्योगिक दौरे के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल कृषि आधारित उद्योगों की संभावनाओं को समझा, बल्कि बस्तर के किसानों के जीवन स्तर सुधारने हेतु 'मिलेटअप' की भूमिका को भी नजदीक से जाना।

नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या, बैनर लगाकर सरपंच समेत कई लोगों को दी धमकी

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर नक्सलियों ने माड़ इलाके में फिर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई है, नक्सलियों ने बिनागुंडा में एक ग्रामीण युवक की पुलिस मुखबिरी के आरोप में हत्या कर दी है, साथ ही सरपंच समेत कई लोगों को नामजद धमकी दी है, नक्सलियों ने लंबे समय बाद इलाके में बैनर लगाकर हत्या की जिम्मेदारी ली है साथ ही पखांजूर थाना प्रभारी समेत कई अन्य लोगों के नाम लिखते हुए इलाके के लोगों को मुखबिर बनाने का आरोप लगाया है।बता दे कि 16 अप्रैल 2024 को बिनागुंडा के इलाके में ही जवानों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया था जिसमें खूंखार लीडर शंकर राव भी शामिल था। जिसके बाद इस इलाके में और भी मुठभेड़ हुई थी और इलाके से नक्सली भाग खड़े हुए थे, लेकिन अब एक बार फिर नक्सलियों ने इलाके में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के नाम पर एक युवक मनेश नरेटी की हत्या कर दी साथ ही बिनागुंडा मुठभेड़ के लिए बैजू नरेटी को जिम्मेदार बताया है, नक्सलियों ने बैनर में लिखा कि सरपंच रामजी धुर्वा ने डीआरजी जवानों और टीआई के साथ मिलकर कई लोगों को अपने साथ जोड़ लिया और अंदर इलाके की गुप्त सूचना देकर मुठभेड़ करवाया, बैनर में बिनागुंडा इलाके में हुए मुठभेड़ के लिए बैजू नरेटी को नक्सलियों ने जिम्मेदार बताते हुए धमकी दी है। नक्सलियों के परतापुर एरिया कमेटी ने बैनर लगाकर हत्या की जिम्मेदारी ली है, बैनर श्रीपुर से इंद्रपुर जाने वाले मार्ग पर लगाया गया है।

सांसद महेश कश्यप परिवार सहित मिले प्रधानमंत्री मोदी से, विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरे का दिया आमंत्रण

नई दिल्ली/बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने अपनी धर्मपत्नी चंपा कश्यप और सुपुत्री क्षमता कश्यप के साथ आज सांसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर सांसद कश्यप ने बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर और विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरे में प्रधानमंत्री को शामिल होने का औपचारिक आमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मीयता से आमंत्रण स्वीकार किया और दशहरे में आने का आश्वासन भी दिया।मुलाकात के दौरान सांसद कश्यप ने प्रधानमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया और बस्तर में हो रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने 11 वर्षों में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। चाहे जम्मू-कश्मीर से धारा 370 व 35ए हटाने का साहसिक निर्णय हो या अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण ङ्क इन कदमों ने भारत को विश्व मंच पर नई पहचान दी है।सांसद कश्यप ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि उनके नेतृत्व में बस्तर जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ी जा रही है। 2026 तक बस्तर को पूरी तरह नक्सलवाद मुक्त बनाने की कार्ययोजना पर तेजी से काम जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में बस्तर में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा विकास की नई दिशा मिली है।सांसद ने यह भी उल्लेख किया कि आज़ादी के 78 वर्षों बाद बस्तर को चार नई रेल लाइनों की ऐतिहासिक सौगात मिली है। इसके साथ ही चार और छह लेन सड़कों का विस्तार भी हो रहा है, जिससे बस्तर देश की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से निवेदन किया कि इन रेल परियोजनाओं को ÷जनजाति गौरव कॉरिडोर÷ नाम दिया जाए और इसका शुभारंभ स्वयं प्रधानमंत्री के करकमलों से हो, ताकि यह अवसर बस्तरवासियों के लिए अविस्मरणीय बन सके। मुलाकात के दौरान एक भावुक क्षण तब सामने आया जब सांसद महेश कश्यप की सुपुत्री क्षमता कश्यप ने प्रधानमंत्री मोदी को सादर अभिवादन किया। बच्ची की मासूमियत और स्नेह देखकर प्रधानमंत्री प्रसन्न हुए और उसे टॉफी भेंट की।

यह दृश्य प्रधानमंत्री की सादगी और आत्मीयता को दर्शाता है। यह मुलाकात बस्तर के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायी मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी का दशहरे में संभावित आगमन बस्तर की जनता के लिए गौरव और उत्साह का विषय है।

ट्रक समेत 121 क्विंटल धान लेकर भागने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर 305 बोरी (121 क्विंटल) धान को ट्रक सहित लेकर भागने के मामले में कांकेर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धान की 305 बोरियां (कुल 121 क्विंटल) कीमत 2,66,200 रुपए एवं ट्रक क्रमांक ष्ट्ब्-19 ॥-1050 कीमत 7,00,000 कुल जुमला 9,66,200 रुपए बरामद किया है।16 अगस्त को प्रार्थी प्रदीप कुमार साहू (निवासी ग्राम पुसवाड़ा) ने धान खरीदी कर ट्रक (ष्ट्ब्-19 ॥-1050) में 305 बोरी धान लोड कर राजिम रूद्र राइस मिल भेजा था। ड्राइवर रामप्रसाद निषाद धान सहित ट्रक लेकर फरार हो गया और फोन भी बंद कर दिया। इस मामले की शिकायत पर थाना कांकेर में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आईके एलिसेला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा एवं एसडीओपी मोहसीन खान के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने बिल्हा, अर्जुनी, धमतरी और बालोद में दबिश देकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में रामप्रसाद निषाद (बिल्हा), वेद कुमार साहू (अर्जुनी), नेमचंद साहू (श्यामतराई) एवं कामता प्रसाद (कोचवाही जिला बालोद) शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने बताया कि मामला अजमानतीय है। आरोपियों को आज न्यायालय कांकेर में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष नागर सहित पुलिस टीम का अहम योगदान रहा।

बंगोली के जंगल से 6 लाख के 4 इनामी सहित 5 माओवादी गिरफ्तार,विस्फोटक सामग्री, औजार व अन्य सामान बरामद

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत डीआरजी बीजापुर और थाना भैरमगढ़ की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। माड़ एरिया के बंगोली जंगल में की गई कार्रवाई में 6 लाख रुपए के चार इनामी समेत 5 सक्रिय माओवादी गिरफ्तार किए गए हैं। इनके कब्जे से प्रतिबंधित विस्फोटक सामग्री, टिफिन बम, कार्डेक्स वायर, बिजली के तार, पावर सोर्स बैटरी, जमीन खोदने का औजार व पिट्ठू बैग सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है।अभियान के दौरान टीम बंगोली, सतवा, बेलनार, मरकापाल और घोटपाल इलाके में निकली थी। संदेहास्पद गतिविधियों की जानकारी मिलने पर 5 संदिग्धों को घेराबंदी कर पकड़ा गया, पूछताछ में इनके माओवादी संगठन से जुड़े होने की पुष्टि हुई। गिरफ्तार माओवादी का विवरण-1. माहरू यादव ऊर्फ सगनू ङ्क इन्द्रावती एरिया कमेटी, ओरछा एलओएस जनमिलिशिया कमांडर, निवासी बोड़गा, थाना भैरमगढ़। इनाम ङ्क ?3.00 लाख। 2. लक्खू फरसा ङ्क ओड़िसा राज्य सीसीएम मनोज का सुरक्षा गार्ड व पार्टी सदस्य, निवासी कोलनार थाना जांगला। इनाम ङ्क ?1.00 लाख। 3. बुधराम कोवासी ङ्क ताकीलोड़ आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष, निवासी ताकीलोड़ थाना भैरमगढ़। इनाम ङ्क ?1.00 लाख। 4. सुखराम हेमला ऊर्फ जयराम ङ्क इन्द्रावती एरिया कमेटी पार्टी सदस्य, डॉक्टर टीम का सदस्य, निवासी हींगमेट्टा थाना जांगला। इनाम ङ्क ?1.00 लाख। 5. सीताराम डोडी ङ्क घोटपाल जीआरडी सदस्य, निवासी घोटपाल पटलपारा थाना भैरमगढ़। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सभी माओवादी लंबे समय से संगठन में सक्रिय थे और कई नक्सली घटनाओं में संलिप्त रहे हैं।आरोपियों के खिलाफ थाना भैरमगढ़ में वैधानिक कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती पर विधायक लखेश्वर बघेल ने किया नमन

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने बीते बुधवार को अपने निवास पर भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्व. राजीव गांधी दूरदर्शी सोच और प्रगतिशील विचारों वाले नेता थे, जिन्होंने भारत को 21वीं सदी की आधुनिक तकनीक और प्रगति से जोड़ने की मजबूत नींव रखी। विधायक बघेल ने कहा कि राजीव गांधी ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान की तथा युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर दिया। आने वाली पीढ़ियों के लिए उन्होंने विकास के नए द्वार खोले। उनके विचार और योगदान आज भी समाज एवं देश के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं और उनकी अमिट छाप भारतवासियों के दिलों में हमेशा अंकित रहेगी। इस अवसर पर चंपा ठाकुर, गणेश बघेल, तुलाराम सेठिया, हेमंत कश्यप, जयंती नेताम, जितेंद्र तिवारी, राजेश कुमार, तुलसीराम ठाकुर, विजय भारती, कमला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकार कहती है जिला नक्सलमुक्त है और पुलिस मुठभेड़ होना बताती है स्पष्ट करें कौन सही है - मोहन मरकाम

फर्जी नक्सली मुठभेड़ की जाँच करने कोहकामेटा–नालाझर पहुंची पीसीसी द्वारा गठित समिति

- **कोई मुठभेड़ नहीं हुआ है सरकार द्वारा आदिवासियों को खत्म करने की साजिस है, कोहकामेटा फर्जी नक्सली मुठभेड़ की आवाज विधानसभा मे गूंजेगी – लखेश्वर बघेल**

कोंडागांव/मूक पत्रिका

जिले के कोहकामेटा मे पिछले दिनों एक आदिवासी युवक अभय नेताम को पुलिस कर्मी द्वारा गोली मारा गया था जिसे विभाग द्वारा अपने विभागीय लोगों को बचाते हुए नक्सली मुठभेड़ बताया गया था। कांग्रेस द्वारा घायल आदिवासी युवक अभय नेताम से अस्पताल मे मिलकर परिजनों से मिलकर हकीकत जाना और मुठभेड़ को फर्जी बताते प्रेस वार्ता किया था। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए 7 सदस्यीय फर्जी नक्सली मुठभेड़ जाँच समिति बनाई जिसका संयोजक पूर्व मंत्री मोहन मरकाम को बनाया गया वहीं जाँच समिति के सदस्यों मे बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी, केशकाल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक संतराम नेताम, पीसीसी महामंत्री रवि घोष, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम, कोंडागांव कांग्रेस जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम शामिल हैं।आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार को देखते हुए जाँच दल मंगलवार सुबह बरसते पानी के बावजूद कोंडागांव जिले के केशकाल क्षेत्र के ग्राम कोहकामेटा पहुंचा जहां पर ग्रामीणों से एवं घायल आदिवासी युवक अभय नेताम के अन्य साथी जो जंगल घूमने साथ मे गए थे जगन ध्रुव,अमन नेताम,अजय नेताम से उनके परिजनों से मुलाक़ात किया घटना के बारे मे जाना अभय के तीनों साथियों ने स्थानीय ग्रामीण जनों के साथ जाँच दल को नलाझर जंगल के उस जगह लेकर गए जहां पुलिस द्वारा अभय को गोली मारा गया था जाँच दल ने उस जगह का निरिक्षण किया।फर्जी नक्सली मुठभेड़ जाँच दल द्वारा जाँच पश्चात केशकाल पंचवटी मे प्रेसवार्ता आयोजित कर बताया गया की कोहकामेटा मे पुलिस की गोली से घायल आदिवासी युवक अभय नेताम के साथियों ने बताया हम चारो साथी चिड़िया मारने जंगल गए थे जहाँ पानी गिरने के चलते जल्दी वापस घर आ रहे थे तभी एक स्कार्पियो मे पुलिस वाले वहाँ आये और तुमलोग यहां क्या कर रहे हो नक्सली हो कहने लगे तभी अमन नेताम और अजय नेताम अपनी मोटर साईकिल से भाग गए और अभय नेताम और जगन ध्रुव वहीं छिप गए कुछ देर बाद अभय ज़ब गाड़ी के पास आया और बोला की हम लोग नक्सली नहीं हैं मेरा नाम अभय नेताम है कोहकामेटा का हूं कहकर गाड़ी के पास पहुंचा तब देखा गाड़ी का प्लग निकला था जिसके चलते गाड़ी स्टार्ट नहीं हुआ अभय गाड़ी को धकेलते हुए आगे बढ़ा तभी आवाज आई प्रमोशन पाना है स्टार बढ़ाना है तो गोली चलाओ और गोली चली। कुछ घंटे बाद अमन अपने पिताजी के साथ मौके पर पहुंचा और पुलिस के कहने पर आवाज लगाया गया तब जाकर जगन जंगल से बाहर निकला तब तक अभय को वहाँ से ले जाया गया था और तीनों को पुलिस कोंडागांव लेकर आती है और बार बार नक्सली हूं कबूल करने का लगातार दबाव बनाती है साथ ही पैसा व नौकरी देने का लालच भी देती है नक्सली हूं करके नहीं कबूलने पर मारपीट भी करती है यहाँ तक की पुलिस द्वारा कोरा कागज मे दस्तखत भी कराकर रखा गया है जबकि अमन नेताम स्कुल स्टूडेंट है। तीनों युवाओं ने बताया नलाझर जंगल मे 14 अगस्त को किसी प्रकार का कोई नक्सली मुठभेड़ नहीं हुआ है स्थानीय ग्रामीणों ने बताया आजतक हम हमारे ग्राम पंचायत कोहकामेटा मे नलाझर मे नक्सली संबंधी वारदातों को नहीं सुने हैं नहीं जानते हैं। घटना स्थल जाकर बताया किस जगह पर गाड़ी खड़ी थी पिछले दिनों जहां पर कांग्रेस की टीम को मोटर साईकिल का प्लग मिला था ठीक उसी जगह को युवकों द्वारा दिखाया गया अभय के पिता कमलेश नेताम ने बताया पुलिस द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है। प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते मोहन मरकाम ने कहा एक तरफ सरकार कहती है कोंडागांव जिला नक्सलमुक्त है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अगस्त के भाषण मे लालकिले से कहते हैं बस्तर नक्सलमुक्त हो गया है और वहीं कोंडागांव पुलिस नक्सली मुठभेड़ होना बताता है नक्सली साहित्य नक्सली कपड़े भरमार सहित नक्सल सामग्री बरामद होना बताता है तो केंद्र व राज्य सरकार और कोंडागांव पुलिस स्पष्ट करें की कौन सही कह रहा है। बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा सरकार द्वारा आदिवासियों को खत्म करने की सोची समझी साजिस का हिस्सा है कोई मुठभेड़ नहीं होता केवल आंकड़े बढ़ाने वाहवाही बटोरने के लिए फर्जी मुठभेड़ बताया जाता है हमारी जाँच दल ने आज स्पष्ट देख लिया है नलाझर जंगल मे कोई मुठभेड़ नहीं हुआ है इस कोहकामेटा फर्जी नक्सली मुठभेड़ की आवाज विधानसभा मे गूंजेगी। भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी ने कहा आदिवासी मुख्यमंत्री होते हुए भी प्रदेश मे आदिवासियों के साथ लगातार अत्याचार हो रहा है यह शर्मनाक है विष्णुदेव साय को तत्काल इस्तीफा देनी चाहिए। पूर्व विधायक केशकाल संतराम नेताम ने कहा कोहकामेटा ग्राम पंचायत का आश्रित ग्राम है नलाझर गांव के युवा अपने ही पंचायत क्षेत्र मे घूम रहे थे उन्हें गोली मारना पुलिस की लापरवाही है प्रमोशन पाने के लिए जबरदस्ती किसी की जान लेना किसी भी आमजन को नक्सली बताना सरासर गलत है मैं लगातार 15 वर्षो से उस क्षेत्र मे आ जा रहा हूं मैंने कभी भी ऐसी नक्सली घटना के बारे मे नहीं सुना है हमारी जाँच दल ने जाँच के दौरान पाया यह मुठभेड़ पूर्णतः फर्जी है हमारी मांग है अभय को अच्छी से अच्छी ट्रीटमेंट मिले परिजन को 1 करोड़ रुपए सहायता राशि दे सरकार परिवार से एक सदस्य को नौकरी दे व दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध एफ़आईआर दर्ज करते हुए कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये वहीं मामले को दबाने के उद्देश्य से मुठभेड़ बताने वाले पुलिस अधिकारियो के विरुद्ध कार्यवाही की जाये ताकि भविष्य मे ऐसी घटना की पुनरावृति न हो आदिवासियों के साथ बस्तरवासियों के साथ अत्याचार न हो। जाँच दल द्वारा रिपोर्ट तैयार कर जाँच प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजी जाएगी कार्यवाही की मांग लगातार जारी रहेगी कांग्रेस पार्टी मांग को लेकर सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी।

जाँच दल के दौरे मे जाँच दल के सभी सदस्यों के साथ

संपादकीय

धराली से किश्तवाड़ तक तबाही, अपनी गलती के लिए प्रकृति को क्यों ठहराएं जिम्मेदार?

संपादकीय

प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है। अब मनुष्य को अगर संभलने का मौका नहीं मिल रहा है, तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। धराली में बादल फटने से हुई तबाही से लोग अभी उबरे भी नहीं थे कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में ठीक वैसा ही हादसा हुआ। बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। अचानक आए सैलाब में साठ से ज्यादा लोगों की जान चली गई, सैकड़ों लोग लापता हो गए। नियंत्रण रेखा के पास चोशिती गांव में हुआ यह हादसा एक बड़ा सबक है। यह गांव पड्डर घाटी में है और यहां अठारह सौ से लेकर करीब चार हजार मीटर ऊंचे पहाड़ हैं। जब भी यहां बारिश होती है तो पानी तीव्र गति से नीचे आता है। जिला प्रशासन ने यह तैयारी क्यों नहीं कि अगर कभी बादल फटने की नौबत आई, तो गांव से ऊपर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को कैसे बचाया जाएगा? गौरतलब है कि साढ़े नौ हजार फुट ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर जाने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग आते हैं। सवाल है कि स्थानीय प्रशासन ने यहां लंगर और दुकानें लगाने की भी अनुमति क्यों दी, यह जानते हुए भी कि जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं हर वर्ष बढ़ रही हैं। पहाड़ी इलाकों में पहले भी बादल खूब बरसते थे, लेकिन इस तरह बादल नहीं फटते थे। अब बार-बार हो रही तबाही की वजह जलवायु परिवर्तन तो है ही, वहीं पहाड़ों पर अनियंत्रित और अवैज्ञानिक तरीके से हो रहा निर्माण कार्य भी है। नदी के तटों के नजदीक और पहाड़ों की ढलान पर बन रहे घरों ने इस संकट को बढ़ाया ही है। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में इस तरह की घटनाओं से अब सजग होने और इससे निपटने की जरूरत है। पहाड़ों पर अधिक संख्या में पर्यटकों के आने, वाहनों की आवाजाही बढ़ने और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने यहां की प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। नतीजा क्षेत्रीय जलचक्र में बदलाव आया है और इससे हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदा बढ़ी है। कुदरत अगर अपना क्रोध प्रकट कर रही है, तो इसे समझने और चेतने का समय है।

वहीं, सियासी रूप से मूढ़ और अकर्मण्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के आरएसएस सम्बन्धी विचार की खिल्ली उड़ाई, उससे जनसेवा, समाजसेवा व राष्ट्रसेवा के प्रति उनका उपहास बोध उजागर हो गया। ये वही लोग हैं जिन्होंने दलित-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के शोषण के नाम पर सत्ता हथियाकर सामंती मानसिकता और परिवारवाद की सारी हदें पारकर खुद की सत्ता भी गवां दी। जो समाजवादी कांग्रेस विरोध के नाम पर जनसंघ-भाजपा के सहयोग से सत्ता में आए, राष्ट्रवादी व हिंदुत्व की जनभावना मजबूत होते ही भाजपा के विरोध में कांग्रेस से सांठगांठ कर लिया।

पीएम मोदी द्वारा आरएसएस की तारीफ किए जाने के बाद उभरे विपक्षी आलोचनात्मक स्वरों के सियासी मायने

(कमलेश पांडे)

पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश सेवा की यात्रा को लेकर इसे दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ की तरह बताया और मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, जिसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ।

देश-दुनिया की सबसे बड़ी अपंजीकृत गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ जब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जो और सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवा पार्टी है, के प्रखर नेता, ओजस्वी वक्ता, पूर्व संघ प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से की, तो वह कोई साधारण क्षण नहीं था, बल्कि आरएसएस की स्थापना के शतक वर्ष पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे प्रधानमंत्री के हृदय से निकला उद्गार है।

वहीं, सियासी रूप से मूढ़ और अकर्मण्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के आरएसएस सम्बन्धी विचार की खिल्ली उड़ाई, उससे जनसेवा, समाजसेवा व राष्ट्रसेवा के प्रति उनका उपहास बोध उजागर हो गया। ये वही लोग हैं जिन्होंने दलित-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के शोषण के नाम पर सत्ता हथियाकर सामंती मानसिकता और परिवारवाद की सारी हदें पारकर खुद की सत्ता भी गवां दी। जो समाजवादी कांग्रेस विरोध के नाम पर जनसंघ-भाजपा के सहयोग से सत्ता में आए, राष्ट्रवादी व हिंदुत्व की जनभावना मजबूत होते ही भाजपा के विरोध में कांग्रेस से सांठगांठ कर लिया। वहीं, जो कांग्रेस मुस्लिम लीग विरोधी होने के चलते हिंदुओं के देश भारत की सत्ता पाई, वह जनसंघ/समाजवादियों के बढ़ते प्रभाव से धर्मनिरपेक्षता का ढिंढोरा पीटने लगी।

यही वजह है कि जहां अंग्रेजों द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस ने इसे आरएसएस को खुश करने वाला कदम बताया। वहीं, कांग्रेस के दम पर मृत जातिवादी समाजवाद को जिंदा कर सकने वाली समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने इसे संघी साथियों द्वारा अंग्रेजों को धन्यवाद देने का पल करार दिया। शायद ऐसी सियासी उलटबासी परोसते हुए उन्हें शर्म भी नहीं आई। इसलिए इसके राजनीतिक मायने को हम यहां विस्तार पूर्वक समझा रहे हैं।

पहले प्रधानमंत्री ने क्या कहा, उसे बताते हैं। लाल किले से पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष (1925-2025) का जिक्र किया और संघ के अवदानों की खुलकर तारीफ की। चूंकि पीएम मोदी का लाल किले से यह 12वीं बार भाषण था, लेकिन इससे पहले कभी भी उन्होंने इस प्रमुख अवसर पर संघ की तारीफ इस तरह से नहीं की थी। जबकि पीएम ने खुलेआम कहा कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन ही इसकी पहचान रहे हैं।

पीएम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश सेवा की यात्रा को लेकर इसे दुनिया के सबसे बड़े

एनजीओ की तरह बताया और मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, जिसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। यह 100 साल की राष्ट्र की सेवा का एक बहुत ही गौरवपूर्ण स्वर्णिम पृष्ठ है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर स्वयंसेवकों ने मां भारती के कल्याण के लिए जो निज जीवन समर्पित किया है, अतुलनीय कार्य किया है, उसी से मौजूदा भारत का सामर्थ्य दुनिया देख रही है।

यह बात दीगर है कि जहां लोकसभा चुनाव 2024 और उसके नतीजों के बाद बीजेपी और संघ में दूरी दिखी, वहीं पिछले काफी वक्त से पीएम संघ को लेकर अलग-अलग मौकों पर बोले भी और इज़्क़ी जमकर सराहना की। इसी साल 30 मार्च को पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार संघ हेडक्वॉर्टर नागपुर, महाराष्ट्र भी गए। वहां पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापकों को श्रद्धांजलि दी। उससे पहले के कुछ महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग-अलग इंटरव्यू में संघ के काम काज की भरपूर तारीफ भी की, ताकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के बचकाना बयानों से जो दूरियां पैदा हुई और जनमानस में गलत संदेश गया उसकी भरपाई हो सके।

वहीं, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लाल किले के प्राचीर से आरएसएस का नाम लेने को संवैधानिक भावना का उल्लंघन बताया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने दावा किया है कि 4 जून 2024 के बाद से पीएम मोदी निर्णायक रूप से कमजोर पड़ गए हैं और 75 साल की उम्र 18 सितंबर 2025 को बीतने के बाद अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की कृपा पर निर्भर है।

कांग्रेस नेता के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले से आरएसएस का नाम लेना एक संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की भावना का उल्लंघन है। उन्होंने इसे उनके 75वें जन्मदिन से पहले संघ को खुश करने की हताश कोशिश बताया है।

हालांकि, कांग्रेस की इस छिछली राजनीतिक टिप्पणी पर सियासी गलियारों में यही चर्चा है कि गुड़ खाएं लेकिन गुलगुले से परहेज। यानी कि 2014 से ही आरएसएस के पूर्व प्रचारक भाजपा में आकर उसके मार्गदर्शन से देश चला रहे हैं, नीतियां बदल रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने नाम ले लिया तो संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की भावना का उल्लंघन होगा। सुलगता सवाल है कि क्या ऐसा उल्लंघन तब नहीं हुआ जब 10 जनपथ में बैठकर विदेशी रणनीतिकार डॉ मनमोहन सिंह की नकेल अपने हाथ में रखे हुए थे और उलजुलूल बयान तक दिलवा देते थे? उन्हें खुद आत्मचिंतन करना चाहिए।

रही बात समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की तो उन्होंने शुक्रवार को अप्रत्यक्ष रूप से आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे, ताकि भारत को धार्मिक आधार पर विभाजित किया जा सके। लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने आरएसएस का नाम लिए बिना कहा, ये संघी साथियों का समूह...मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि बीजेपी के गठन के बाद पार्टी प्रमुख बने व्यक्ति ने पहले अधिवेशन में यह निर्णय लिया गया था कि पार्टी की राजनीतिक विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष होगी।

फिर अखिलेश यादव बोले, 100 साल पूरे होने पर उन्हें अंग्रेजों को धन्यवाद देना चाहिए। क्योंकि हमने सुना है और इतिहासकारों ने लिखा है कि कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे ताकि भारत को धार्मिक आधार पर बांट सके, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई पैदा की जा सके। इसलिए संघी साथियों, जिनकी पहली विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष है, उन्हें इसे याद रखना चाहिए। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि अखिलेश यादव अंग्रेजों को याद करते समय सेफ्टी वॉल्व के रुप में एक ब्रिटिशर्स द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस को स्मरण करना भूल गए, जिसकी सियासी बैशाखी पाकर मृतप्राय हो चली समाजवादी पार्टी को उन्होंने जिंदा किया।

चाहे कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, उन्हें आरएसएस की आलोचना से पहले खुद के गिरेबां में झाँककर देख लेना चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि आरएसएस का गठन उसी व्यक्ति ने किया, जिसने कभी कांग्रेस सेवा दल को अपनी सेवाएं दी थी। यानी कि उससे अलग होकर उन्होंने तब ही जता दिया था कि कांग्रेस का भविष्य अंधकारमय है, लेकिन उसके साथ ही भारत का भविष्य भी वैसा ही न हो जाए, इसलिए उन्होंने आरएसएस का गठन किया। आज जब वह और उसका मुखौटा राजनीतिक संगठन भाजपा शीर्ष पर है, तो कांग्रेस कहाँ है? क्यों है? आत्ममंथन का विषय है।

रही बात समाजवादी पार्टी की तो उसे पता होना चाहिए कि कांग्रेस को पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता से बेदखल करने वाली जनता पार्टी के डीएनए में समाजवादी व राष्ट्रवादी एक साथ थे। 1989 में भी उन्होंने एक साथ रहकर कांग्रेस को पुनः अपदस्थ किया। लेकिन फर्जी धर्मनिरपेक्षता और घोर जातिवाद-परिवारवाद का सियासी भूत जब उनलोगों पर सवार हो गया, तब आरएसएस के निर्देश पर ही भाजपा उनसे अलग हुई और मौजूदा बुलंदियां हासिल की।

मेरा कांग्रेस और सपा को विनम्र सुझाव है कि आरएसएस को समझने के लिए उसकी प्रातःकालीन शाखाओं में जाएं और वहां पर चल रही व्यक्तित्व निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्रनिर्माण की निःस्वार्थ कोशिशों को समझें। फिर खुद से पूछें कि क्या कांग्रेस-सपा ऐसी जनमुहिम नहीं पैदा कर सकती? यदि हां, तो फिर सकारात्मक पहल अविलंब शुरू करें। राजद प्रमुख व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा गठित डीएसएस का हश्र सामने है।

फिर भी आपलोगों को अपना व्यक्तिगत अनुभव हासिल कर लेना चाहिए। तभी आपकी समझ में आएगा कि जनसहयोग से आरएसएस ने वह कर दिखाया है, जो सत्ता के तमाम नंगा नाचों से कांग्रेस-क्षेत्रीय दल हासिल नहीं कर पाए। यही आरएसएस-भाजपा की ताकत है। उसके मुकाबिल खड़े होने के लिए अब वहीं से शुरुआत करनी होगी, अन्यथा राजनीतिक बियावान में भटकते रहिए।

पुतिन ने ट्रंप को सबक सिखाया, अब समझौते के लिए मॉस्को ही जाना पड़ेगा

(संतोष कुमार पाठक)

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इस बातचीत में दुनिया भर के देशों को परेशान करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को एक बड़ा सबक भी सिखा दिया कि आप बातचीत से पहले ही बार-बार धमकाने वाला बयान देकर किसी देश को झुका नहीं सकते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में हुई बहुप्रतीक्षित बैठक बेनतीजा रही। अमेरिकी राज्य अलास्का के एंकोरेज में डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन की आमने-सामने हुई मुलाक़ात तीन घंटे के लगभग चली। लेकिन दोनों नेताओं के बीच न तो युद्धविराम को लेकर कोई सहमति बन पाई और न ही कोई ठोस समझौता हो पाया।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इस बातचीत में दुनिया भर के देशों को परेशान करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को एक बड़ा सबक भी सिखा दिया कि आप बातचीत से पहले ही बार-बार धमकाने वाला बयान देकर किसी देश को झुका नहीं सकते हैं। दोनों नेताओं के बीच लगभग तीन घंटे तक चली मुलाकात के बाद एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का भी आयोजन किया गया लेकिन यह प्रेस कांफ्रेंस भी सिर्फ 12 मिनट तक ही चली। ट्रंप और पुतिन ने इस संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में सिर्फ अपनी-अपनी बातें रखी और दोनों नेताओं ने पत्रकारों के किसी सवाल का कोई जवाब नहीं दिया।

बैठक से पहले ही ट्रंप लगातार रूस को चेतावनी भरे बयान जारी कर रहे थे। लेकिन बैठक के दौरान और बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पुतिन ने ट्रंप को बुरी तरह से बेनकाब कर दिया। उन्होंने साबित कर दिया कि शांति का मसीहा बनकर नोबेल पुरस्कार हासिल करने में जुटे ट्रंप में वास्तव में इस तरह की काबलियत है ही नहीं। अमेरिकी प्रोटोकॉल के मुताबिक, उनकी धरती पर जब कोई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करते हैं तो उसमें पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बोलते हैं और इसके बाद मेहमान नेता बोलते हैं। लेकिन इस बार संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस की शुरुआत ट्रंप ने नहीं बल्कि पुतिन ने की।

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पहली बार अंग्रेजी में बोलते हुए एक ऐसा बड़ा कूटनीतिक दांव चल दिया, जिसने ट्रंप को बुरी तरह से फंसा दिया। प्रेस कांफ्रेंस के अंत में ट्रंप ने जैसे ही पुतिन से कहा, जल्द मिलेंगे वैसे ही तुरंत पहली बार अंग्रेजी में बोलते हुए पुतिन ने कहा, नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को। यानी यूक्रेन सहित अन्य मुद्दों पर रूस को मनाने के लिए अब डोनाल्ड ट्रंप को उनकी राजधानी मॉस्को की धरती पर जाना पड़ेगा।

इससे पहले बातचीत के दौरान भी अंतिम समय पर कई ऐसे बदलाव किए गए जिससे रूस कूटनीतिक तौर पर ट्रंप पर भारी पड़ते नजर आए।पहले यह तय किया गया था कि दोनों नेताओं- ट्रंप और पुतिन के बीच अकेले में मुलाकात और बातचीत होगी जिसे कूटनीतिक भाषा में वन-ऑन-वन मीटिंग कहा जाता है लेकिन अंतिम समय पर इस पैटर्न को बदलकर थ्री-ऑन-थ्री कर दिया गया यानी बातचीत के दौरान दोनों नेताओं के साथ दो-दो सलाहकार भी मौजूद रहे। अमेरिका की तरफ़ से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ बैठक में शामिल हुए वहीं रूस की तरफ़ से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव बैठक में मौजूद रहे। यह बैठक रूस-यूक्रेन के बीच चल रही लड़ाई को रोकने के मुख्य मकसद से बुलाया गया था लेकिन इस वार्ता में यूक्रेन के राष्ट्रपति

बैठक से पहले ही ट्रंप लगातार रूस को चेतावनी भरे बयान जारी कर रहे थे। लेकिन बैठक के दौरान और बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पुतिन ने ट्रंप को बुरी तरह से बेनकाब कर दिया।

ज़ेलेंस्की या यूक्रेन के किसी भी प्रतिनिधि को नहीं बुलाया गया था।

शांति का मसीहा होने का दावा करते घूम रहे ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए पुतिन ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि, रूस यूक्रेन में चल रहे संघर्ष (युद्ध) को खत्म करने में ईमानदारी से रुचि रखता है लेकिन किसी टिकाऊ समझौते के लिए पहले इस संघर्ष के मूल कारणों को समझना होगा। उन्होंने युद्ध को एक त्रासदी भी बताया। रूसी राष्ट्रपति ने ट्रंप की मौजूदगी में पश्चिमी देशों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि शांति प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा या नुकसान न पहुंचाया जाए। व्हाइट हाउस में कई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को अपने बगल में बैठाकर बेइज्जत करने वाले ट्रंप के लिए पुतिन के ये तेवर किसी बड़े झटके से कम नहीं थे। पुतिन ने अपने बयानों से ट्रंप सहित पूरी दुनिया को बता दिया कि रूस-यूक्रेन लड़ाई का मूल कारण अमेरिका और नाटो देशों द्वारा यूक्रेन को भड़का कर उसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ करने की साजिश है। उन्होंने अपने बयानों से यह स्पष्ट कर दिया कि लड़ाई रोकने के लिए अमेरिका को हर हाल में रूस के खिलाफ रचे जा रहे षड्यंत्रों को रोकना ही होगा। आखिर में ट्रंप को भी यह कहना पड़ा कि, कोई समझौता तब तक नहीं होता, जब तक असल में समझौता नहीं हो जाता और हम वहां तक नहीं पहुंचे।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'ड्रोन लुटेरों' से फैली दहशत की हकीकत क्या?

ड्रोन की घटनाएं हकीकत हैं या अफवाह? ये अनसुलझी पहेली जैसा है। वैसे, पिछले दो सालों से 'स्वामित्व योजना' के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। 92 फीसदी कार्य 'ड्रोन मैपिंग' से पूरा हो चुका है जिसमें 31 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

(डॉ. रमेश ठाकुर)

ड्रोन की घटनाएं हकीकत हैं या अफवाह? ये अनसुलझी पहेली जैसा है। वैसे, पिछले दो सालों से 'स्वामित्व योजना' के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। 92 फीसदी कार्य 'ड्रोन मैपिंग' से पूरा हो चुका है जिसमें 31 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। सवाल ये भी उठता है क्या इस वक्त जो ड्रोन उड़ रहे हैं, वो इसी योजना का हिस्सा हैं? अभी तक कोई तथ्यात्मक सच्चाई मुकम्मल रूप से बाहर नहीं निकल पाई। जबकि, प्रथम दृष्टया प्रशासन ने ड्रोन घटनाओं को अफवाह ही माना है। ड्रोन की घटनाओं के पीछे कोई ऐसी हकीकत तो नहीं छिपी जिसे शासन-प्रशासन और सुरक्षा महकमा सार्वजनिक ना करना चाहता हो? राष्ट्र सुरक्षा से जुड़ा तो कोई मसला नही? हालांकि ऐसे नाना-प्रकार के कयासों की मंड़ियां सजी हुई हैं। सच्चाई के असल नतीजों तक अभी कोई नहीं पहुंच पाया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तकरीबन जिलों में इस समय ड्रोन लूटेरों की ही चर्चाएं हैं।

धीरे-धीरे ये दहशत अब अन्य राज्यों में भी फैलती जा रही है। हरियाणा, पंजाब, बिहार, मध्यप्रदेश में भी आधुनिक चोरों से जुड़ी अजीबोगरीब अफवाहें फैल गई हैं। बिहार के सासाराम और मध्यप्रदेश के गुना जिले में भी ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। अफवाहें हैं कि चोर रात्रि में घरों का ड्रोन से सर्वेक्षण करते हैं और अगली रात धाबा बोलते हैं। एकाध घटनाएं घटी भी हैं, लेकिन उन घटनाओं से कोई हकीकत सिद्ध नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन दोनों भी इस अनसुलझी पहेली में उलझे हुए हैं। प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन की घटनाओं को बेशक अफवाह बताई जा रही हों। पर, ग्रामीण मानने को राजी नहीं? वह ड्रोन चोर या आसमानी चोर ही माने बैठे हैं। बीते मात्र तीन हफ्तों में उत्तर प्रदेश में 365 और उत्तराखंड में 245 घटनाएं घटी हैं।

गौरतलब है कि अफवाहों के गर्भ से निकली ड्रोन चोरी की ये घटनाएं अब हिंसा में बदलने लगी हैं। गत दिनों बिजनौर के कोतवाली क्षेत्र में रात के वक्त एक खूनी घटना घटी जिसमें एक औरत का गला चाकू से रेतकर उसे जहर का इंजेक्शन देने का प्रयास हुआ। गनीमत ये रही कि उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। सुबह पुलिस ने छानबीन कर आसपास के लोगों से पूछताछ की, तो पता चला महिला पर हमला ड्रोन चोरों ने नहीं, बल्कि पड़ोसी ने किया जिनसे उनका पुराना जमीन विवाद चल रहा है। चोर समझकर अंधेरे में चलने वाले राहगीरों के साथ मारपीट की घटनाएं भी बढ़ी हैं। शराबियों की तो सामात ही आई हुई है। बिलावजह हादसे का शिकार न हो जाएं, इसलिए रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारी भी घरों से बाहर नहीं निकल रहे। ऐसे भी घटनाएं खूब सामने आ रही हैं, जहां ड्रोन चोरों की आड़ में लोग अपनी पुरानी दुश्मनी निकाल रहे हैं। दशहत और अफवाहें इस कदर देहतों में व्याप्त है कि आसमान में चमकती रौशनी को भी ड्रोन समझ कर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।

दहशत के चलते ग्रामीण पूरी-पूरी रात अपनी छतों पर बल्ब और टॉर्च जलाकर बैठे रहते हैं। जुगनुओं की रौशनी से भी चिल्ला पुकार मचने लगता है। सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में ड्रोन चोरों ने कुछ ज्यादा माहौल बिगाड़ा हुआ है। माहौल जैसे-जैसे बिगड़ना तेज हुआ, तो राज्य सरकार का ध्यान एकाएक उस ओर गया। मुख्यमंत्री ने तत्काल आपातकाल बैठक बुलाई। हालांकि, उससे पहले ही अधिकारियों ने शासन को ड्रोन्स के संबंध में कुछ उत्पाती लोग उन्माद फैलाने की फिराक में होना दर्शा दिया था। शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के ज़रिए डर पैदा करने या ग़लत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाही की जाएगी। लेकिन, शासकीय चेतावनी के बाद भी ड्रोन का उड़ना लगातार जारी है। दो दिन पहले भी मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में एक और उच्च-स्तरीय कानून-व्यवस्था को दुरूस्त करने को लेकर बैठक हुई, जिसमें बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाही का आदेश पारित हुआ। जिसके उलघन में कुछ यूट्यूबर और कैटरिंग वाले पकड़े गए। फिलहाल, पुलिस की पूछताछ में उनकी ड्रोन हरकतों में संलिप्ता नहीं मिली।

गौतललब है, भारत के विभिन्न प्रदेशों में समय-समय पर किस्म-किस्म के चोर गिरोहों से अफवाहें फैलती रही हैं। चोटी कटवा, कच्छा-बनिया गिरोह, बाबा गिरोह, तलवारधारी गिरोह जैसे तमाम चोरों के गिरोह की सूचनाएं पुर्व में सुनने को मिलती रहीं। मौजूदा ड्रोन से जुड़ी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उत्तराखंड और यूपी सरकार ने बकायदा पुलिस हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जहां रात्रि के वक्त रोजाना सैकड़ों कॉल्स ड्रोन देखे जाने के संबंध में आ रही हैं। 7900 कॉल्स को पुलिस ने अभी तक रिकॉर्ड किया है जिसकी सत्यता पूरी तरह उन्माद से प्रेरित ही पाई गई। ड्रोन देखे जाने की सूचनाएं ज्यादातर अफवाहें ही साबित हो रही हैं जिनका किसी गिरोह से कोई संबंध फिलहाल दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता? प्रशासन को 'ड्रोन लुटेरों' से फैली अफवाहों पर तुरंत अंकुश लगाना होगा, नहीं तो ग्रामीण ड्रोन गिरोह के सदस्यों के शक में बेकसूर लोगों को निशाना बनाते रहेंगे। बरेली में पिछले शनिवार को सबसे दर्दनाक घटना हुई, जहां मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति को 'ड्रोन गिरोह' का सदस्य समझकर लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला।सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) भारत सरकार! (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गुलहड़ का फूल बना देगा आपको खूबसूरत..

गुड़हल का फूल जिसके बारे में आपने प्राइमरी स्कूल की किताबों में पढ़ा था। यह सिर्फ देखने में ही सुंदर नहीं होता बल्कि यह सेहत और सुंदरता का खजाना लिए हुए होता है। इसे हिबिसकस या जवाकुसुम भी कहते हैं। इसके सभी हिस्सों का इस्तेमाल खाने, पीने या दवाओं के काम के लिए किया जा सकता है। यूनानी दवाओं में गुड़हल का बहुत उपयोग होता है और इससे कॉलेस्ट्रॉल, मधुमेह, रक्तचाप, गुर्दे की बीमारियों और गले के संक्रमण जैसे रोगों का इलाज किया जाता है।

इस दौड़ती-भागती ज़िंदगी और असंतुलित खानपान व लाइफस्टाइल की वजह से बालों के झड़ने की समस्या बिल्कुल आम है. महिला हो या पुरुष, आजकल सभी को इस परेशानी से दो-चार होना ही पड़ रहा है. पुरुषों में यह समस्या आनुवांशकीय कारण से भी होती है, लेकिन महिलाओं की इस परेशानी में आनुवांशकीय कारणों की कोई भूमिका नहीं होती है. यह परेशानी उन्हें पोषक तत्वों की कमी, हार्मोनल उतार-चढ़ाव या किसी बीमारी की वजह से होती है. बालों को झड़ने से रोकने के लिए उपर्युक्त बातों का ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है.

यह विटामिन सी, कैल्शियम, वसा, फाइबर, आवरन, नाइट्रोजन, फासफोरस, टेटरिक और ऑक्सीलिक एसिड, फ्लेवोनॉयड्स और फ्लेवोनॉयड ग्लाइकोसाइड्स का बढ़िया स्रोत है।

गुड़हल को हर्बल चाय, कॉकटेल या काढ़े के तौर पर लिया जा सकता है। फूलों को सुखाकर इसकी हर्बल चाय बनाई जा सकती है। पानी उबलने पर सूखे फूल डाल दीजिए और थोड़ी चीनी मिलाकर चाय तैयार हो जाएगी। कॉकटेल के लिए इसे ठंडा होने दें और बर्फ के साथ पिएं। यह सेहत के लिए गुणकारी चाय है।

गुड़हल का फूल विटामिन सी का बढ़िया स्रोत है और इससे कफ, गले की खराश, जुकाम और सीने की जकड़न में फायदा मिलता है।

गुड़हल की पत्तियां प्राकृतिक हेयर कंडीशनर का काम देती हैं

और इससे बालों की मोटाई बढ़ती है। बाल समय से पहले सफेद नहीं होते। बालों का झड़ना भी बंद होता है। सिर की त्वचा की अनेक कमियां इससे दूर होती है। इसकी पत्ती से बनी दवा से प्रसव संबंधी विकार, फोड़े-फुंसियाँ, और सूजन के उपचार में भी मदद मिलती है। गुड़हल का सत्व त्वचा में निखार और दमक लाता है। गुड़हल के फूल का सत्व दिल की मजबूती के लिए उपयोगी है। यह जीवन शैली से जुड़ी समस्याओं जैसे कॉलेस्ट्रॉल, रक्तचाप और मधुमेह की बीमारी में लाभ पहुँचाता है जो हृदय रोगों का कारण बनते हैं।

गुड़हल फूल में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट कॉलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखते हैं।

यूनानी दवाओं में गुड़हल काढ़े या चाय के तौर पर दिया जाता है। इसमें चीनी नहीं मिलाई जाती और इससे शरीर में ग्लकोज का संतुलित स्तर बनाए रखने में मदद मिलती है।

गुड़हल का इस्तेमाल यूनानी दवाओं में उत्तेजक के तौर पर किया जाता है। हर्बल चाय या कॉकटेल के तौर पर लेने से यह दिल और दिमाग को ठंडक देता है। गुर्दे या मूत्रनली में विकार से ग्रस्त लोग गुड़हल की चाय को बिना चीनी मिलाए पी सकते हैं और इससे काफी लाभ मिलता है। गुड़हल के फूल का सत्व दिल की मजबूती के लिए उपयोगी है। यह जीवन शैली से जुड़ी समस्याओं जैसे कॉलेस्ट्रॉल, रक्तचाप और मधुमेह की बीमारी में लाभ पहुंचाता है जो हृदय रोगों का कारण बनते हैं।

बालों को झड़ने से बचाएंगे ये आयुर्वेदिक नुस्खे...

आंवला

6 रसों से युक्त आंवला को आयुर्वेद की दिव्य औषधि के रूप में जाना जाता है. इसमें पाए जाने वाले विटामिन्स मिनरल्स और एल्कलॉइड बालों के लिए इसे एक शानदार टॉनिक बनाते हैं. बालों को स्वस्थ रखने के लिए हमें आंवला और उससे बने खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करना चाहिए. सुबह-शाम आंवला चूर्ण भी खाया जा सकता है.

ब्राह्मी

आयुर्वेदिक हर्ब ब्राह्मी, बालों की रक्षा करने और बालों के विकास में सहायक होती है. यह बालों की जड़ों को पोषण प्रदान कर उन्हें मज़बूत बनाती है. ब्राह्मी की पत्तियों को सुखाकर इसका पाउडर बनाया जाता है, जिसे आप गर्म पानी में मिलाकर पी सकते हैं. ब्राह्मी तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह तनाव से होने वाले हेयर फ़ॉल को रोकने में बहुत कारगर होती है.

एलोवेरा

एलोवेरा के ताज़े पल्प में एक एन्जाइम होता है, जिसे सिर की त्वचा पर लगाने से मृत कोशिकाएं समाप्त होकर नई कोशिकाएं विकसित होती हैं. इसके अलावा एलोवेरा को जूस के रूप में लेने या साबूत खाने से भी रूसी की समस्या ख़त्म होती है, बालों का झड़ना रुक जाता है और नए बालों आने में मदद मिलती है.

अश्वगंधा

अश्वगंधा में टायरोसिन नामक आवश्यक एमिनो एसिड पाया जाता है, जो बालों के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक होता है. यह बालों को समय से पहले सफ़ेद होने से रोकता है और बालों की वृद्धि में सहायक होता है.

बरगद की जटा

जो औषधि जिस आकार की दिखती है, मूलतः वह उस जैसे अंग को लाभ पहुंचाती है. बरगद की जटा बालों के लिए एक शानदार दवाई है, जो हमारी जटाओं अर्थात बालों को स्वस्थ रखने में मदद करती है. वट जटा का पाउडर बना कर उसका सेवन कर सकते हैं.

अमरबेल

बरगद की जटाओं की ही तरह अमरबेल भी ऐसी ही एक जड़ी-बूटी है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने विकास के लिए जानी जाती है. अमरबेल का तेल व उससे बना काढ़ा बालों की ग्रोथ के लिए लाभदायक होता है.

मेकअप में प्राइमर की क्यों ज़रूरत होती है?

यह पोर्स यानी त्वचा के रोमछिद्रों को छुपाता है

अगर आपकी त्वचा ऑयली है, आपने ध्यान दिया होगा कि कैसे आपके पोर्स फ़ाउंडेशन लगाने के बाद और भी ज्यादा दिखने लगते हैं. यह तब और भी बुरा हो जाता है, जब आप ख़ुद को चेहरे को सूरज की रौशनी में देखती हैं. प्राइमर की सबसे अच्छी बात यह है कि यह पोर्स को काफी हद तक छुपा देता है. जब भी आपको कहीं बाहर जाना हो या शाम की किसी पार्टी में जाना हो, तब एक प्राइमर आपको बेदाग़ खूबसूरती और दमकती त्वचा देने में मदद कर सकता है.

यह मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखता है

मेकअप का नेगेटिव पहलू क्या है? वह पिघलने लगता है, स्किन के ऑयलीनेस की मेहरबानी से. हम कह सकते हैं आपके शानदार मेकअप और त्वचा के ऑयलीनेस में पैदाइशी दुश्मनी है. पर आप जानती हैं, प्राइमर एक ऐसा प्रॉडक्ट है, जो आपके मेकअप को भद्दा दिखने और आपको शर्मसार होने से बचा सकता है. क्लेंज़िंग-टोनिंग-मॉइस्चराइज़िंग रूटीन के खत्म होते ही अपनी त्वचा को एक-दो मिनट तक मॉइस्चराइज़र को एब्ज़ॉर्ब करने का समय दें. ऐसा करने से न केवल आपकी त्वचा की नमी बरक़रार रहेगी, बल्कि वह नर्म और मुलायम भी बनेगी. उसके बाद प्राइमर का रुख़ करें. अपने हाथ के पीछे की तरफ़ मटर के दाने जितना प्राइमर निकालें.

यह मैट लुक पाने में आपकी मदद करता है

ऑयली त्वचा आपके चेहरे को ग्रीसी और चमकीला बना देती है. ज़ाहिर है आप इस तरह का ग्लो तो नहीं पाना चाहेंगी. पर आप चिंता न करें, आपकी ऑयली स्किन की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है-प्राइमर. ऑयल कंट्रोल करने के लिए जेल बेस्ड प्राइमर लगाएं. इसमें ऑयल एब्ज़ॉर्ब करने का गुण होता है. मॉइस्चराइज़िंग के बाद चेहरे पर इसे लगाने से यह त्वचा की नैचुरल ऑयल को कंट्रोल करता है. ऐसा वह पोर्स को भरकर करता है. यह फाउंडेशन और आपकी त्वचा के बीच एक दीवार का काम करता है. इस तरह यह ऑयली स्किन के चलते आपको होनेवाली दूसरी समस्याओं, जैसे-ऐक्ने और ब्रेकआउट्स को भी दूर रखता है. तो अब बेफ़िक्र होकर तैयार होइए. आपके मेकअप के मेल्ट होने की समस्या को प्राइमर संभाल लेगा.

स्कार्फ को अलग-अलग आउटफिट्स के साथ कैसे करें स्टाइल?

स्टोल्स और साड़ी का कॉम्बो

हम स्टोल को साड़ी के साथ भी टाई अप करके पहन सकते हैं. स्टोल और साड़ी का कॉम्बो आपको काफी क्लासी व एलिगेंट लुक देगा. आप किसी पार्टी या खास फंक्शन के लिए यह लुक आज़मा सकती हैं. आप स्टोल्स को किसी भी तरह की साड़ी के साथ पहन सकती हैं. बस इतना ध्यान रखें कि आपका स्टोल ज्यादा हैवी न हो और स्टोल चुनते समय यह भी ध्यान रखें की वह आपकी साड़ी से मैच करता हो. आप चाहें तो कश्मीरी कारीगरी किया हुआ या फिर पश्मीना वर्क किया हुआ स्टोल चुन सकती हैं, क्योंकि साड़ी के साथ इस तरह के स्टोल स्टाइलिश दिखते हैं. स्टोल को आप सिम्प्ली कंधे पर रखें, इसे ओढ़ें बिल्कुल भी नहीं. ओढ़ने से आपका लुक पूरी तरह से खराब हो सकता है. जिस साइड आपका पल्लू हो उसकी दूसरी साइड स्टोल को रखें. हेयर स्टाइल की बात करें तो, आप अपने बालों को बांधकर एक नीट और क्लीन बन बना लें.

ऑफिस लुक

यदि आप ऑफिस में वुलन स्टोल कैरी करना चाहती हैं तो यहां बताए जा रहे टिप्स आपके काम आएंगे. स्टोल को आप ब्लैक पैंट्स, व ब्लू कलर की शर्ट के साथ मैच अप कर सकती हैं. ध्यान रखें कि स्टोल आपका ज्यादा ब्राइट और हैवी वर्क किया हुआ न हो. ऑफिस में आप हैवी वर्क किया हुआ आउटफिट अवॉइड ही करें तो ज्यादा बेहतर होगा. ऑफिस लुक को आप जितने हो सके सिम्पल और सूदिंग ही रखें.

पार्टी या फंक्शन लुक

स्टोल को आप ड्रेस के साथ भी पहन सकती हैं. यह लुक भी पार्टी या किसी खास फंक्शन के लिए एक दम परफेक्ट है. इस लुक के लिए आपको ज्यादा कुछ खास मेहनत करने की जरूरत बिल्कुल नहीं है. बस आप अपनी ड्रेस को सैंडल की जगह बूट्स के साथ पेअर करें. यदि आपकी ड्रेस ब्लैक कलर की है तो आप इसके साथ पोल्का डॉट स्टोल पेअर कर सकती हैं. हेयर स्टाइल में आप हाई पोनी बनाकर अपने लुक को पूरा कर सकती हैं.

लम्बे वुलन स्टोल

यदि आपके पास लम्बे वूलन स्टोल हैं तो आप उसे जीन्स, व टॉप के साथ पेअर कर सकती हैं. यदि आपके पास ब्लैक और ब्राउन कलर के स्टोल हैं तो ग्रे जींस, वाइट टॉप और लाइट ब्राउन ट्रेंच कोट के साथ पेअर कर सकती हैं. इसके साथ आप मीडियम हाई बूट्स पहनकर अपना लुक पूरा करें.

फ्लोरल प्रिंट स्टोल

आप फ्लोरल प्रिंट स्टोल को सूट के साथ भी पहन सकती हैं. फ्लोरल स्टोल को आप लॉन्ग कुरता और लेगिंग, जीन्स या लॉन्ग स्कर्ट के साथ पेअर कर पहन सकती हैं. स्टोल को आप अपनी दुपट्टे की जगह इस्तेमाल कर सकती हैं.

शॉल बनाम स्टोल

हम शॉल को भी काफी स्टाइलिश तरीके से कैरी कर सकते है. यह सिर्फ उम्रदराज़ महिलाओं का ही पहनावा नहीं है. यदि आप इसको स्टाइलिश तरीक़े से कैरी करें तो बोरिंग शॉल भी फैशनेबल वियर हो सकती है. इसके लिए शॉल को आप ड्रेप करके भी पहन सकती हैं. आप शॉल को हाई लॉन्ग बूट्स और नेक कवर स्वेटर के साथ पहन सकती हैं. या इसको आप बेल्ट के साथ भी टाई अप करके पहन सकती हैं.

गोरी से लेकर सांवली रंगत के लिए कैसे चुनें ब्लश?

हर लड़की गुलाबी गाल चाहती है. और यह गुलाबी गाल आपको मिलता है ब्लश की मदद से. ब्लश आपके गालों को ग्लो देते हैं और आपको परियों-सा खूबसूरत लुक. ब्लश लगाने के बाद आपका चेहरा खिला-खिला और नैचुरली गुलाबी नज़र आना चाहिए. जिसके लिए बहुत ज़रूरी है कि आप अपनी रंगत के अनुसार सही ब्लश चुनें. यदि आप अपनी स्किन टोन के मुताबिक़, ब्लश नहीं चुनती, तो यह आपके चेहरे को बेजान और भद्दा लुक दे सकता है. इसलिए हम आपको यहां आपकी रंगत के मुताबिक़, ब्लश चुनने में आपकी मदद कर रहे हैं. अपनी स्किन टोन को समझें और फिर ब्लश ख़रीदें, ताकि आपकी दमक पूरी तरह से नैचुरल लगे.

गोरी रंगत

गोरी रंगत वाली महिलाओं को हमेशा हल्के शेड वाला ब्लश चुनना चाहिए. वाइब्रेंट कलर्स आपके चेहरे को बनावटी दिखा सकते हैं. सौम्य गुलाबी, पीच के शेड्स आपको ख़ूबसूरत लुक देंगे. यहां तक हल्का कोरल शेड भी आपकी रंगत पर जंचेगा.

सांवली रंगत

वैसे तो गोरी रंगत की ही तरह सांवली रंगत पर भी हल्के शेड्स जंचेंगे, लेकिन नैचुरल लुक पाने के लिए थोड़े तीव्र रंग चुनें. गुलाबी के तीव्र शेड्स के साथ प्रयोग करें. आपके गालों को उभारने के लिए मोव अंडरटोन्स वाला ब्लश चुनें.

गहरी रंगत

यदि आपकी रंगत गहरी है, तो आप आप रेड, ऑरेंज, प्लम या ब्राउन जैसे शेड्स चुन सकती हैं. वाइब्रेंट शेड्स गहरी रंगत पर ज़्यादा जंचते हैं. आपके ब्लश में हल्का-सा शिमर हो, तो आपका लुक और भी ग्लैमरस लगेगा.

क्या आपको भी मेडिटेशन करते वक्त आती है नींद ?

मेडिटेशन आज के वक्त में लोगों की जरूरत बन गया है। तनाव को कम करना, अच्छी नींद, दिमाग को शांत रखना, स्थिरता को बनाए रखना, मानसिक शांति के लिए लोग मेडिटेशन करना पसंद करते हैं। शुरुआत में कई लोग मेडिटेशन में विश्वास नहीं रखते हैं लेकिन कुछ महीने बाद परिणाम मिलने पर उसे फॉलो करने की सलाह दी जाती है। लेकिन कई बार लोग मेडिटेशन करते वक्त सो जाते हैं,ऐसा एक बार सभी के साथ होता है। लेकिन इस क्रिया से कैसे बचें, नींद और मेडिटेशन में कैसे अंतर करें और नींद आने के कारण होते हैं।

मेडिटेशन करते वक्त नींद के प्रमुख कारण

-थकान रहना
-नींद की कमी या नींद पूरी नहीं होना
-रूम में मेडिटेशन करना
-मेडिटेशन से पहले हैवी नाश्ता करना या भोजन कर लेना
-तनाव रहना

नींद को कैसे भगाएं

- खाना या बहुत अधिक नाश्ता नहीं करें।
-दिनभर खूब पानी पीएं।
-खुले आसमां के नीचे मेडिटेशन करें।
-अधिक नींद आने पर एक जगह ध्यान केंद्रित कर आंखे खोलकर मेडिटेशन करें।
-भरपूर नींद लें और बॉडी को आराम दें।
-अलार्म लगाकर मेडिटेशन करें।
-स्लो म्यूजिक चलने दें।

बढ़े हुए वजन को घटाने के लिए आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

ऑफिस में घंटों एक ही जगह पर बैठे-बैठे काम करते रहने के कारण हमें कई सारी बीमारियां घेर लेती है। इन्हीं में से एक है मोटापा। हमारा वजन कई कारणों से बढ़ता है। एक ही जगह पर बैठे रहना, शारीरिक गतिविधियों में शामिल न होना और कुछ भी उल्टा-सीधा खाते रहना जैसी कई आदतें हैं, जो हमारा वजन बढ़ाती हैं। यहां हम आपको आपके बढ़े हुए वजन को कम करने के कुछ घरेलू उपाय बताएंगे...

गर्म पानी

यह शक्ति में गर्म होता है और फैट टिशू में गहराई से प्रवेश करता है और फैट को जल्दी से पिघलाने में मदद करता है। इसके साथ ही ये मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

दालचीनी

दालचीनी एक ऐसा नेचुरल मसाला है, जो पाचन में सुधार करता है। ये शुगर लेवल को कम करने के साथ-साथ, कोलेस्ट्रॉल कम करता है और फैट जलता है। सुबह के समय में खाली पेट 1 चम्मच शहद के साथ लेना सबसे बेहतर रहता है।

नींबू

नींबू सबसे प्रसिद्ध प्राकृतिक वजन घटाने का उपाय है जो वास्तव में काम करता है। लेकिन जोड़ों के दर्द और हाइपर एसिडिटी वाले लोगों को इसके सेवन से बचना चाहिए। दूसरों के लिए, खाली पेट गर्म पानी के साथ एक नींबू वजन घटाने में बहुत मददगार है।

कैसा हो आपका ब्रेकफास्ट और जानें, तीन सेहतमंद ब्रेकफास्ट विकल्प

दिन का पहला मील सेहत से भरपूर और ऊर्जा देनेवाला होना चाहिए. अच्छा नाश्ता न केवल आपके शरीर, बल्कि आपके दिमाग़ को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है. नाश्ता मोटापा कम करने, ब्लड प्रेशर व शुगर लेवल को नियंत्रित करने, दिल से जुड़ी बीमारियों की संभावना को घटाने में मदद करता है. हम जानते हैं कि सुबह-सुबह की भाग-दौड़ में आप अक्सर अपना नाश्ता भूल जाते हैं. इसलिए ज़रूरी है कि आप अपने नाश्ते को पहले से ही प्लैन करें, ताकि आप इसे किसी भी सूरत में मिस न करें. अपनी पसंद के अनुसार, फलों, हरी सब्ज़ियों, नट्स, ओट्स, पोहा, उपमा, कॉर्न फ़्लेक्स, अंडे इत्यादि ढेरों विकल्प में से आप अपने लिए ब्रेकफ़ास्ट ऑप्शन चुन सकते हैं, जो आपको दिनभर ऊर्जावान बनाए रखे. सप्ताह में एक दिन बैठकर पूरे सप्ताह के ब्रेकफ़ास्ट का मेन्यू बना लें. उन्हें बनाने के लिए ज़रूरी सामान बाज़ार से ले आएं. यदि आपको ऑफ़िस के लिए देरी होती है, तो अपना नाश्ता टिफ़िन में भरकर ले जाएं और सफ़र के दौरान खाएं. रात में ही सुबह के नाश्ते के लिए थोड़ी-बहुत तैयारी कर लें. न्यूट्रिशनिस्ट्स की मानें, तो दिन के पहले मील यानी ब्रेकफ़ास्ट में कार्ब्स और प्रोटीन्स होने चाहिए.

वेजेटेबल सांभार और चटनी के साथ इडली

इडली में मौजूद चावल से हमें कार्ब्स मिलता है, वहीं दाल से प्रोटीन. दूसरी ओर सांभार में भी दाल होता है, जिससे सुबह-सुबह हमें प्रोटीन की अच्छी मात्रा मिल जाती है. सांभार में पड़नेवाले मसाले हमें कई विटामिन्स और मिनरल्स मिलता है. चटनी में नारियल होता है, जो हमें आवश्यक फैट देता है.

पनीर मटर परांठा और दही

गेहूं के परांठा से हमें दिनभर का 60% कार्ब्स मिल जाता है. वहीं पनीर, मटर से प्रोटीन. घी से मिलनेवाला फैट और विटामिन हमारे शरीर को पोषण देता है. सुबह-सुबह का यह नाश्ता आपको लंबे समय तक पेट भरे होने का एहसास भी देगा.

भुना हुआ पालक, पोच्ड अंडा और किसी भी स्प्रेड के साथ ब्राउन ब्रेड टोस्ट

आजकल यह नाश्ता बहुत ट्रेंड में है. यदि आपके पास वक़्त न हो, तो आप भी अंडा, कोई हरी सब्ज़ी और ब्राउन ब्रेड नाश्ते में ले सकते हैं. टोस्ट से हमें कार्ब्स मिलता है, वहीं अंडा प्रोटीन देता है. टोस्ट पर लगा बादाम, मूंगफली का स्प्रेड हमें प्रोटीन और ज़रूरी फैट देता है. पालक मिनरल्स और विटामिन का समृद्ध स्रोत है.

आज की रेसिपी

आमंड उपमा हैश ब्राउन

सामग्री :

1 कप बादाम का आटा, 1/4 कप सूजी, 1/2 टेबल स्पून घी, 3-4 करी पत्ते, 1/2 टी स्पून सरसों के दाने, 1/2 टी स्पून उड़द दाल, 2 टी स्पून अदरक, टुकड़ों में कटा हुआ, 2 टी स्पून हरा धनिया, टुकड़ों में कटा हुआ, 1/2 कप प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ, 1 टी स्पून हरी मिर्च, टुकड़ों में कटा हुआ, 4 टेबल स्पून बादाम कटा हुआ, रोस्टेड 1 टेबल स्पून ताजा नारियल, स्वादानुसार नमक, 200 ml (मिली.) पानी, देसी घी/ जैतून का तेल ग्रिल करने के लिए

विधि

- एक पैन में घी गरम करें. राई डालें और उन्हें फूटने दें.
- उड़द की दाल, करी पत्ते, नारियल, कटा हुआ अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालें. सुनहरा होने तक भूनें. सूजी डालकर 1.2 मिनट तक सूखा भून लें.
- अब बादाम पाउडर डालें और हल्का पीला होने तक भूनें.
- पानी डालें और उसमें नमक डालें. दलिया जैसी स्थिरता प्राप्त होने तक पकाएं. आंच से उतार लें और 1 टेबलस्पून कटे हुए बादाम और कटा हरा धनिया डालें.
- इसे घी लगी ट्रे में फैलाएं| बचे हुए बादाम छिड़कें और ठंडा होने दें- मनचाहे आकार में काट लें-
- उन्हें एक नॉन-स्टिक तवे पर देसी घी जैतून के तेल के साथ धीमी आंच पर हल्का सुनहरा रंग और हैश ब्राउन की तरह fdzLih होने तक ग्रिल करें-

संक्षिप्त समाचार

इराक में आईएसआईएस के नरसंहार का दर्दनाक सच, मोसुल के पास सामूहिक कब्र की खुदाई शुरू

मोसुल , एजेंसी। इराक में अधिकारियों ने मोसुल शहर के पास अल-ख़ाफ़सा इलाके में एक सामूहिक कब्र की खुदाई शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि यह कब्र आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) आतंकियों द्वारा एक दशक पहले किए गए नरसंहार से जुड़ी हुई है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, स्थानीय प्रशासन, न्यायपालिका, फॉरेंसिक टीम, शहीद फाउंडेशन और मास ग्रेव डायरेक्टोरेट मिलकर इस काम को अंजाम दे रहे हैं। इराक की शहीद फाउंडेशन के मास ग्रेव विभाग के प्रमुख अहमद क़ुसै अल-असदी ने बताया कि यह खुदाई 9 अगस्त को नीनवे प्रांत के गवर्नर अब्दुलकादिर अल-दाखिल के अनुरोध पर शुरू की गई। फिलहाल शुरुआती चरण में सतह पर दिखाई देने वाले मानव अवशेष और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। इसके बाद पीड़ित परिवारों से डीएनए सैंपल लेकर एक डेटाबेस तैयार किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बाढ़ में हुई मौतों पर जताया दुख

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान में हाल ही में आई अचानक बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। गुटेरेस ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने रविवार को जारी एक बयान में कहा, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को घोषित किया भारत दिवस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रांत मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को भारत दिवस घोषित किया है। इसके लिए भारतीय दूतावास ने गवर्नर माउरा टी हीलेय का आभार जताया। भारतीय दूतावास ने कहा कि इस फैसले से भारतीय-अमेरिकी सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यह सम्मान भारतीय-अमेरिकी समुदाय का सम्मान करता है और भारत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मैत्री के बंधन को और गहरा करता है।

पाकिस्तान के मंत्री ने फिर बिना सबूत भारतीय विमानों को गिराने का किया दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के एक मंत्री ने फिर से बिना सबूत गत मई में दोनों देशों के बीच संघर्ष में छह भारतीय विमानों को गिराने का दावा किया है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने 31 मई को पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर चुके हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसीन नकवी ने रविवार को दावा किया कि इस्लामाबाद ने इस मामले में यह तय किया था कि बिना ठोस सबूत के इसके बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं करेगा। नकवी ने हालांकि यह नहीं बताया कि पाकिस्तान इससे जुड़े सबूत को कब सार्वजनिक करेगा। नकवी ने यह भी हास्यास्पद दावा किया कि संघर्ष के दौरान भारतीय मिसाइलों के हमले में पाकिस्तान के किसी महत्वपूर्ण ठिकानों को नुकसान नहीं पहुंचा।

चीन में गूंजी विकसित भारत की गूंज, ग्वांगझू में भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर हुई संगोष्ठी

बीजिंग, एजेंसी। भारतीय वाणिज्य दूतावास ग्वांगझू ने रविवार को चीन के तकनीकी केंद्र शेनझेन में एआई फॉर एस्पिरेशनल इंडिया (आकांक्षी भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता) विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के 79वें समारोह के तहत आयोजित किया गया। यह संगोष्ठी दक्षिण चीन में भारतीय पेशेवरों के मंच, फोरम ऑफ इंडिया प्रोफेशनल्स इन साउथ चाइना (एफआईपीएससी) के सहयोग से आयोजित की गई। इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवाचारी रणनीतियों पर विचार करना था। भारतीय वाणिज्य दूत ने दी प्रस्तुती भारतीय वाणिज्य दूत शंभू हक्की ने भारत सरकार की एआई संबंधी पहलों पर प्रस्तुति दी। उन्होंने इंडिया एआई मिशन की जानकारी दी, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है। हक्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डबल एआई की परिकल्पना को भी विस्तार से समझाया और एफआईपीएससी सदस्यों से सस्ते एआई उपकरणों के विकास में सहयोग का आग्रह किया। एफआईपीएससी के कई सदस्यों ने एमएसएमई, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के उपयोग पर प्रस्तुति दी।

युगांडा की संसद में एसजीवीपी प्रमुख माधव स्वामी का अभिनंदन; भारत-अफ्रीका संबंध होंगे मजबूत

कंपाला , एजेंसी। माधव स्वामी अपनी सनातन संस्कृति और हिंदू जीवनशैली को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए निरंतर यात्रा करते हैं। इसी क्रम में वे अफ्रीकी महाद्वीप की यात्रा पर युगांडा पहुंचे। यह यात्रा भारत और अफ्रीका के देशों के बीच आध्यात्मिकता, शिक्षा और संस्कृति का नया सात्विक सेतु निर्मित करेगी।

युगांडा में बड़ी संख्या में गुजराती समुदाय निवास करता है। युगांडा की संसद में उपसभापति डॉ. थॉमस तैयेब्बा के विशेष निमंत्रण पर राजधानी कंपाला पहुंचे माधव स्वामी का स्वागत खुद उपसभापति डॉ. थॉमस समेत अन्य सांसदों ने किया। हार्दिक स्वागत के बाद उन्हें सम्मानित भी किया गया।

युगांडा के सांसदों और सरकार के प्रतिनिधि उपसभापति महोदय के साथ माधव स्वामी ने इस विषय पर गहन चिंतन और चर्चा की कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को किस प्रकार और अधिक स्वाभिमानी, सशक्त और संस्कारी बनाकर समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए तैयार किया जा सकता है। उपसभापति ने माधव स्वामी को युगांडा संसद भवन का भ्रमण कराया तथा उसकी विशेषताओं से अवगत कराया। यह ऐतिहासिक यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भगवान श्री स्वामीनारायण द्वारा लिखी गई सर्वजीव हितावह शिक्षापत्री के दो सौ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। यह रचना समाज में मानवता के मूल्यों का बीज बोने वाली है। राजसत्ता और धर्मसत्ता की यह भेंट भारत और अफ्रीका के देशों के बीच आध्यात्मिकता, शिक्षा और संस्कृति का एक नया सात्विक सेतु स्थापित करेगी।

गाजा में तबाही मचा रही इजरायली सेना

हवाई हमले में हमास का ये बड़ा कमांडर ढ़ेर

गाजा, एजेंसी। गाजा पर इज़राइल का कब्ज़ा अब लगभग तय माना जा रहा है। हमास के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में इज़राइली सेना लगातार आगे बढ़ रही है। इस बीच, दक्षिणी गाजा में वरिष्ठ हमास कमांडर नासिर मूसा की हत्या के बाद भी आईडीएफ अपने हमले जारी रखे हुए है। ताज़ा हमला एक स्कूल पर हुआ जहाँ विस्थापित परिवारों ने शरण ली थी। इस हमले में 37 लोग मारे गए, जिनमें कई महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं।

गाजा की सड़कों पर सिर्फ़ मलबा और तबाही ही नज़र आ रही है। इज़राइली लड़ाकू विमानों ने राफ़ा ब्रिगेड के प्रमुख आतंकवादी नासिर मूसा को हवाई हमले में मार गिराया। मूसा हमास आतंकवादियों को प्रशिक्षण देता था और इज़राइल में कई हमलों का मास्टरमाइंड था। इसके अलावा, इज़राइली सेना ने खान यूनिस में एक इमारत को भी निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल हमास रॉकेट रखने के लिए करता था।

इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सेना को गाजा पट्टी पर कब्ज़ा करने की पूरी इजाज़त दे दी है। उन्होंने कहा है कि यह युद्ध जल्द ही समाप्त हो जाएगा और बंधकों को हर कीमत पर रिहा किया जाएगा। हालाँकि, दुनिया के कई देश इस

कार्रवाई को गाजा के अंत का संकेत मान रहे हैं। वहीं, कई देशों ने इज़राइल के खिलाफ़ कदम उठाते हुए फ़िलिस्तीन राज्य को मान्यता भी दे दी है।

इस समय गाज़ा में स्थिति बेहद भयावह है। पिछले दो सालों में 61,827 फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 1,55,275 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सिर्फ़ पिछले 24 घंटों में ही 51 लोगों की जान चली गई और 369 लोग घायल हुए हैं। इज़राइली हमले का सबसे बड़ा निशाना वह स्कूल था, जहाँ विस्थापित परिवारों ने शरण ली थी। इस बमबारी के बाद परिसर में महिलाओं और बच्चों की लाशें बिखर गईं।

इज़राइल में बंधकों की रिहाई की माँग ज़ोर पकड़ती जा रही है। हज़ारों लोग पोस्टर और बैनर लेकर तेल अवीव की सड़कों पर उतर आए। सरकार से उन्हें सुरक्षित वापस लाने की अपील की। बंधक बनाए गए एक नेपाली नागरिक की बहन ने कहा, करीब दो साल बीत चुके हैं, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली है। लगातार भूखे और घायल होकर ज़िंदा रहना नामुमकिन है। कोई 680 दिन नर्क में कैसे रह सकता है? यह लोगों के लिए खरीदारी के लिए बाहर आने की छुट्टी नहीं है, एक बंधक के पिता ने कहा। यह प्रदर्शन का दिन है। यह न केवल बंधकों के परिवारों के साथ खड़े होने का एक तरीका है, बल्कि इज़राइल के नैतिक चरित्र की रक्षा करने की एक नागरिक ज़िम्मेदारी भी है। उनका कहना है कि नेतन्याहू अपने राजनीतिक फ़ायदे के लिए बंधकों की जान से खेल रहे हैं।

मैं हर शनिवार यहाँ आता हूँ, एक प्रदर्शनकारी ने कहा। सबसे पहले, हम उन परिवारों के साथ खड़े हैं जिनके प्रियजन लगभग दो साल से बंधक हैं। दूसरा, हम अपनी सरकार के ख़िलाफ़ खड़े हैं। हमें यह सरकार बहुत बुरी लगती है। हम चाहते हैं कि यह चली जाए ताकि हम फिर से एक मज़बूत इज़राइल बना सकें। गाजा में जारी युद्ध के बीच इज़राइल में ये विरोध प्रदर्शन जारी हैं। 2023 में हमास ने इज़राइल पर हमला करके 1,200 लोगों को मार डाला था। इतना ही नहीं, 250 से ज़्यादा लोगों को बंधक बना लिया गया था। अब तक आधे से ज़्यादा बंधकों को रिहा कर दिया गया है। कई लोगों की मौत हो गई है, लेकिन लगभग 20 बंधक अभी भी जीवित बताए जा रहे हैं। यही वजह है कि सड़कों पर प्रदर्शनकारियों का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है और लोग युद्धविराम की मांग कर रहे हैं।

दावा-रूस ने अबतक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया

इन्हें ब्रेनवॉश करके यूक्रेन के खिलाफ ही जंग लड़ने भेजा जा रहा

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस ने दावा किया है कि जंग शुरू होने के बाद से रूस ने अब तक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया है। इन बच्चों को अलग-अलग ठिकानों पर रखकर उन्हें यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने के लिए ब्रेनवॉश किया जा रहा है।

वहीं, येल यूनिवर्सिटी के रिसर्च ग्रुप ने पब्लिक डेटाबेस और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ऐसे 8400 से ज्यादा बच्चों की पहचान की है, जिन्हें यूक्रेन से प्लानिंग के तहत रूस भेजा गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ अरसा पहले कहा था कि हम कम से कम 11,000 बच्चों के नाम तो जानते हैं, जिन्हें जबरन रूस भेजा गया है।

स्क्रूने ऐसी करीब 150 जगहों का पता लगाया है, जहां इन बच्चों को या तो कैम्पों में या उनके कथित दत्तक परिवारों के पास रखा गया है। कुछ बच्चों को मिलिट्री स्कूलों में भर्ती किया गया है। अब तक रूस ने सिर्फ 1200 यूक्रेनी बच्चों को ही वापस भेजा है।

संयुक्त राष्ट्र इन बच्चों की किडनैपिंग को वॉर क्राइम करार दे चुका है। वहीं नीदरलैंड्स के हेग स्थित इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट इस मामले में रूसी राष्ट्रपति पुतिन को 'वॉर क्रिमिनल' घोषित करके उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका है।

बीते कुछ महीनों में ट्रम्प के साथ अपनी बातचीत में जेलेंस्की ने बार-बार गुमशुदा बच्चों का मुद्दा उठाया है। मई में अमेरिकी सीनेट के एक ग्रुप ने भी एक प्रस्ताव पेश कर कहा था कि रूस के साथ किसी भी शांति समझौते को अंतिम रूप देने से पहले सभी यूक्रेनी बच्चों की वापसी तय होनी चाहिए।

जंग शुरू होने के बाद से अब तक 50 लाख यूक्रेनी बच्चे को पलायन करना पड़ा है। इससे बच्चों के शिक्षा संबंधी और अन्य अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसके अलावा उन 16 लाख बच्चों को सबसे ज्यादा मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है, जो यूक्रेन के उन हिस्सों में रह रहे हैं, जिन पर अब रूस का कब्जा है।

रूस ने यूक्रेन के करीब 20त्न हिस्से, यानी लगभग 1 लाख 14 हजार 500 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर रखा है। इसमें क्रीमिया, डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन, और जापोरिजिया जैसे क्षेत्र शामिल हैं। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी।

फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया। ट्रम्प ने पुतिन की तारीफ की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को 'तानाशाह' कह दिया।

मई 2025- रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति बातचीत 2025 में तेज हुई, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहल के बाद। हाल के दिनों में कैदी अदला-बदली हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण और सुरक्षा गारंटी पर मतभेद बने हुए हैं।

पूप-सूटकेस लेकर पहुंचे पुतिन के बॉडीगार्ड, इसमें पुतिन का मल-मूत्र इकट्ठा किया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिले तो उनके बॉडीगार्ड एक खास सूटकेस लेकर पहुंचे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सूटकेस पुतिन के मल-मूत्र को इकट्ठा करने के लिए था।

कहा जा रहा है कि पुतिन की टीम ऐसा इसलिए करती है ताकि कोई विदेशी एजेंसी उनके स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी न जुटा सके। फ्रांसीसी मैगजीन पेरिस मैच के मुताबिक, यह सुरक्षा प्रोटोकॉल नया नहीं है। 2017 में फ्रांस यात्रा और वियना दौरे के दौरान भी ऐसा किया गया था। हालांकि, क्रेमलिन ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया है। पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर पहले भी कई बार सवाल उठ चुके हैं। पिछले साल कजाकिस्तान में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके पैरों की हरकत और 2023 में बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको से मुलाकात के वक्त कुर्सी पर झटके लेने जैसी हरकतों ने अटकलें बढ़ा दी थीं। किसी भी देश के नेता का स्वास्थ्य 'टॉप सीक्रेट' माना जाता है। अगर ये जानकारी बाहर आ जाए तो दुश्मन देश उसकी कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं। विदेशी एजेंसियां स्वास्थ्य रिपोर्ट लीक कर यह छवि बना सकती हैं कि राष्ट्रपति कमजोर या बीमार हैं। इससे घरेलू राजनीति और जनता का भरोसा डगमगा सकता है।यही वजह है कि पुतिन की सिक्योरिटी एजेंसी मल-मूत्र तक इकट्ठा करके रूस ले जाती है।

अमेजन अपने कर्मचारियों को टेक्नोलॉजी में अपस्किल कर रही

वाशिंगटन , एजेंसी। तकनीक की दुनिया में बड़ा सवाल है कि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के दौर में रोबोट्स का भविष्य क्या होगा। इसी सवाल का जवाब तलाशने भास्कर पहुंचा टोक्यो, जहां अमेजन ने अपने सालाना इवेंट 'डिलिवरिंग द फ्यूचर' का आयोजन किया। टेक्नोलॉजी के लिए मशहूर जापान में हुए इस कार्यक्रम में अमेजन ने अपना 10 लाख वां रोबोट तैनात किया।

आज अमेजन के दुनियाभर के फुलफिलमेंट सेंटर्स में 10 लाख से अधिक रोबोट सक्रिय हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल रोबोट बेड़ा बनाते हैं। मोबाइल रोबोटिक्स के क्षेत्र में अमेजन दुनिया की सबसे बड़ी निर्माता और ऑपरेटर है। रोबोट्स का भविष्य कोलैबोरेटिव रोबोटिक्स में कंपनी के चीफ टेक्नॉलॉजिस्ट टाई ब्रैडी कहते हैं कि रोबोट्स का भविष्य कोलैब्रेटिव रोबोटिक्स में है, यानी ऐसे रोबोट्स जो इंसानों को रिप्लेस करने के बजाय उनकी क्षमताओं को बढ़ाएं और उन्हें सुरक्षित माहौल में काम करने में मदद करें। अमेजन ने भविष्य की नौकरियों और चुनौतियों के लिए खासकर एआई और रोबोटिक्स के क्षेत्र में 7 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को ट्रेनिंग से अपस्किल किया है। अमेजन ने जनरेटिव एआई मॉडल डीप फ्लीट शुरू किया है। यह तकनीक फुलफिलमेंट सेंटर्स में रोबोट्स को कोऑर्डिनेट करेगा। इससे रोबोट्स के काम करने का समय 10त्न कम हो गया है।

आतंकी पन्नू ने वाशिंगटन में करवाया रेफरेंडम

वाशिंगटन , एजेंसी। खालिस्तानी समर्थक व सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अब अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में रेफरेंडम करवाया है। पन्नू ने इस रेफरेंडम का वीडियो भी जारी किया है। जिसमें दावा कर रहा है कि वे हिंदुस्तान के टुकड़े करने के लिए बम तैयार कर रहा है। लेकिन इसके साथ ही एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें एक पंडाल में खाली कुर्सियां नजर आ रही हैं।

पन्नू वीडियो में दावा कर रहा है- ये हिंदुस्तान में टुकड़े करने के लिए बम तैयार किए हैं। जितने भी बम बने हैं, वे अपने झंडे खड़े करें- जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल। हर एक बम में रेफरेंडम का बारूद है। हिंदुस्तान को तहस-नहस किया जाएगा। खालिस्तान जिंदाबाद। इसके साथ ही वॉशिंगटन डीसी में खालिस्तान समर्थक दिल्ली

बनेगा खालिस्तान और हरियाणा बनेगा खालिस्तान के भी नारे लगाते वीडियो में दिखे।

पन्नू की तरफ से जो वीडियो जारी की गई है, वे 1 मिनट 28 सेकेंड की है। जिस तरह की कोशिश वे भारत को नीचा दिखाने की वे कर रहा है, वे विफल होती दिख रही है। दरअसल, उसने इस वीडियो को बनाने के लिए फोकस कुछ लोगों तक ही सीमित रखा, ताकि वे रेफरेंडम के फेल होने की हकीकत को छिपा सके। पन्नू का दावा है कि वाशिंगटन डीसी में तकरीबन 16 हजार वोट डली है। लेकिन हकीकत इससे काफी परे है। दरअसल, जिस तरह का शोर पन्नू डाल रहा था, ना तो वाशिंगटन डीसी में भीड़ इकट्?ठी हुई और ना ही उतने लोग पहुंचे। पन्नू की तरफ से जो रेफरेंडम करवाया गया, उसका सच जाहिर करते हुए एक तस्वीर जनतक हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल इस तस्वीर ने पन्नू का दावा पूरी तरह से खारिज कर दिया।

पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही, पूरे के पूरे गांव बर्बाद; 1000 से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। बाढ़ की वजह से 1000 से ज्यादा लोगों की जान जाने की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) मामलों के सूचना समन्वयक इख्तियार वली खान ने हालात पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि खैबर पख्तूनख्वा में हाल ही में आई अचानक आई बाढ़ में लगभग 1,000 लोगों की मौत होने की आशंका है।

वली ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया है। बड़े पैमाने पर तबाही देखी है। उन्होंने कहा, पूरे गांव बर्बाद हो गए हैं। बुनेर के चघरजी इलाके में भारी तबाही हुई है। बशोनी गांव पूरी तरह से नक्शे से गायब हो गया है। बाढ़ के पानी में बहकर आए कुछ पत्थर ट्रकों से भी बड़े थे। नदी किनारे बसे घर गायब हैं। पूरे के पूरे परिवार बह गए हैं। किसी की कोई खोज खबर नहीं है।

आधिकारिक आंकड़े केवल अस्पतालों में लाए गए शवों पर आधारित: उन्होंने खुलासा किया कि आधिकारिक आंकड़े केवल अस्पतालों में लाए गए शवों पर आधारित हैं। अब तक लगभग 600 से ज्यादा शव

बरामद हुए हैं। हालांकि, कई और हताहतों की सूचना अभी तक नहीं मिली है। उन्होंने आंशका जताई कि अकेले दीर में ही मौतों की संख्या 1,000 से ज्यादा हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार एक हजार से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, 26 जून से अब तक पूरे पाकिस्तान में बारिश से संबंधित घटनाओं में 392 पुरुषों सहित कम से कम 657 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 929 अन्य घायल हुए हैं। कुल मृतकों में 171 बच्चे और 94 महिलाएं थीं। घायलों में 437 पुरुष, 256 बच्चे और 236 महिलाएं हैं। एनडीएमए ने बताया कि मौतें मूसलाधार मानसूनी बारिश, अचानक आई बाढ़ और संबंधित आपदाओं के कारण हुईं। उसने यह भी कहा कि वह सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए प्रांतीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 390 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 288 पुरुष, 59 बच्चे और 43 महिलाएं शामिल हैं। केपी में 245 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें 161 पुरुष, 45 बच्चे और 39 महिलाएं शामिल हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। महासचिव ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता जताई। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

शुभमन गिल उप कप्तान, जायसवाल और अय्यर बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है, जो टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे। इस बीच चयनकर्ताओं ने कुछ अहम फैसले लेते हुए यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर कर दिया है। टॉप ऑर्डर में संजू, अभिषेक और तिलक हैं तो मिडिल ऑर्डर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को जगह मिलती दिखी है. गेंदबाजी के मोर्चे पर जहां बुमराह और अर्शदीप पेस अटैक का भार उठाते दिखेंगे. वहीं स्पिन को मजबूती देने के लिए एशिया कप की टीम में वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को जोड़ा गया है.

एशिया कप के लिए टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह.

डेब्यू वनडे में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर डेवाल्ड ब्रेविस ने बनाया दमदार रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बेबी एबी के नाम से लोकप्रिय दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम की है। ब्रेविस इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने वनडे करियर की शुरुआत की। ब्रेविस को बल्लेबाजी के लिए छठे नंबर पर भेजा गया था। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर ब्रेविस ने तूफानी शुरुआत की और अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। गेंदबाज थे ट्रेविस हेड। वनडे में डेब्यू करते हुए अपनी पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले ड्रेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी बने। जोहान लॉ ने 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाया था। उन्होंने शाकिब अल हसन पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस ने अपने करियर का आगाज तो बेहद शानदार और यादगार अंदाज में किया, लेकिन वे अपनी पारी आगे नहीं बढ़ा सके। ब्रेविस अगली ही गेंद पर आउट हो गए। भारत के लिए ईशान किशन ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू करते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। डेवाल्ड ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट और टी20 में भी डेब्यू कर चुके हैं। ब्रेविस ने 2 टेस्ट मैचों की 3 पारी में 84 रन बनाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 51 रहा है। वहीं, 10 टी20 मैचों में 1 शतक और 1 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 318 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न टी20 सीरीज में ब्रेविस ने विस्फोटक शतक लगाया था। उन्होंने 56 गेंद पर 8 छक्के और 12 चौके लगाते हुए नाबाद 125 रन की पारी खेली थी। इसके अगले मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें वनडे सीरीज में जगह दी गई।

कार्लोस अल्काराज ने पहली बार जीता सिनसिनाटी ओपन का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन जीतने का स्पेन के कार्लोस अल्काराज का सपना पूरा हो गया है। मंगलवार को जानिक सिनर के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया। विबलंडन फाइनल के बाद विश्व के नंबर एक जानिक सिनर और नंबर दो कार्लोस अल्काराज के बीच होने वाले सिनसिनाटी ओपन फाइनल पर दुनियाभर के टेनिस प्रेमियों की नजर थी। फैंस एक रोमांचक मुकाबले का इंतजार कर रहे थे। लेकिन फैंस को थोड़ी मायूसी हासिल हुई। वजह जानिक सिनर की अस्वस्थता रही। अल्काराज और सिनर के बीच मैच निर्धारित समय पर शुरु हुआ था। शुरुआत से ही सिनर गर्मी से परेशान दिख रहे थे। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने डॉक्टर को बुलाया और गर्मी से निपटने के लिए बर्फ की मदद भी ली, लेकिन मैच को जारी नहीं रख सके। 23 मिनट के बाद वह रिटायर होने पर मजबूर हो गए। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह उनका पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब था और साल का कुल छठा खिताब था।

सिनर की परेशानी का पता तब चला जब सर्विस में वह एक भी पॉइंट नहीं जीत पाए। सर्विस सिनर का मजबूत पक्ष माना जाता है। लगातार पांचवां गेम हारने के बाद सिनर ने डॉक्टर को बुलाया और जल्द ही कार्लोस अल्काराज से हाथ मिलाकर मैच समाप्ति की घोषणा कर दी।

सिनर अगर फाइनल जीत जाते तो वह रोजर फेडरर (2014-15) के बाद लगातार टाइटल जीतने वाले पहले खिलाड़ी होते। मैच के बाद सिनर ने कहा, मैं आपको निराश करने के लिए माफी मांगता हूं। मैं कल से अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा कि मैं रात तक बेहतर हो जाउंगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। मैंने लड़ने की कोशिश की। लेकिन, खेल नहीं पाया। इसलिए मैं माफी मांगता हूं। विजेता घोषित किए जाने के बाद कार्लोस अल्काराज ने जानिक सिनर के लिए कहा, मैं जानता हूं कि आप इन परिस्थितियों से और बेहतर कमबैक करेंगे, उससे भी बेहतर जैसा आप हमेशा करते हो। यही असली चैंपियन करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए कगिसो रबाडा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा। टीम की तेज गेंदबाजी का सबसे प्रमुख चेहरा कगिसो रबाडा इंजरी की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए। कगिसो रबाडा के दाहिने टखने में सूजन थी। सोमवार को हुए स्कैन में गंभीर चोट का पता चला। इसके बाद उन्हें वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, वह ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। कगिसो रबाडा की जगह वनडे सीरीज में बाएं हाथ के 19 साल के तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में जगह दी गई है। मफाका का हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ संपन्न तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन रहा था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट झटके थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में जगह दी गई है। हालांकि, वह पहले वनडे का हिस्सा नहीं हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

बाबर और रिजवान का हुआ डिमोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम और मौजूदा वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान को लगातार बड़े झटके दे रहा है। एशिया कप 2025 के स्क्वॉड से बाहर होने के बाद पीसीबी के नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में भी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को नुकसान उठाना पड़ा है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के सर्वाधिक लोकप्रिय खिलाड़ियों में हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वह लंबे समय से टॉप कैटेगरी में शामिल रहे हैं। पिछ्ली बार भी वह ग्रेड ए का हिस्सा थे, लेकिन 2025-2026 के लिए जारी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बाबर आजम और रिजवान को डिमोट कर दिया गया है। दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड बी में जगह दी गई है।

नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कुल 30 खिलाड़ियों को जगह दी गई है, लेकिन ग्रेड ए कैटेगरी में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया है। पिछ्ली बार सी ग्रेड का हिस्सा रहे अबरार अहमद, हारिस रऊफ, सलमान अली आगा, सैम अयूब और शादाब खान को ग्रेड बी में शामिल किया गया है।

बोर्ड ने 12 नए खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया है। ये खिलाड़ी हैं- अहमद दानियाल, फहीम अशरफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सलमान मिर्जा और सुफयान मोकिम। सभी पहली बार कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बने हैं।

पाकिस्तान सेंट्रल कांट्रैक्ट (2025-26) में शामिल खिलाड़ी

ग्रेड बी (10 खिलाड़ी) - अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब, सलमान अली आगा, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदी

ग्रेड सी (10 खिलाड़ी) - अब्दुल्लाह शफीक, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नोमान अली, साहिबजादा फरहान, साजिद खान और सऊद शकील

ग्रेड डी (10 खिलाड़ी) - अहमद दानियाल, हुसैन तलत, खुर्रम शहजाद, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद वसीम जूनियर, सलमान मिर्जा, शान मसूद और सुफियान मुकीम

पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन लंबे समय से निराशाजनक रहा है। हाल ही में टीम को वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज में 1-2 से हराया है। पाकिस्तान को एशिया कप 2025 से पहले यूएई और अफगानिस्तान के साथ त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेलनी है।

सिंकफील्ड कपः

सिंकफील्ड कप में प्रज्ञानंद ने गुकेश को हराया, जीत के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञानंद अब अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सोमवार को पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने भी हमवतन अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रॉ खेला। इस 350,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अभी आठ राउंड होने बाकी हैं। अभी प्रज्ञानंद और अरोनियन के बाद छह खिलाड़ी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गुकेश और अब्दुसत्तोरोव को अभी खाता खोलना है। प्रज्ञानंद ने गुकेश के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलने का पूरा फायदा उठाया और केवल 36 चाल में जीत दर्ज की।

प्रज्ञानंद ने मैच के बाद कहा, मुझे नहीं पता कि आज क्या हुआ। मुझे लगता है कि वह थोड़ा असहज था। मैंने लगभग दो साल से उसके खिलाफ क्लासिकल शतरंज में जीत हासिल नहीं की थी। इसलिए आखिरकार जीत हासिल करके अच्छा लग रहा है।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप से हटा

ओमान ने भी नाम वापस लिया, बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका; 29 अगस्त से टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से अधिकृत रूप से हट गया है। इतना ही नहीं, ओमान ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका दिया गया था। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने बताया- मंगलवार सुबह पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत आने से अधिकृत तौर पर इनकार कर दिया है। ओमान की टीम भी हट गई है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को ड्रॉ में शामिल कर दिया। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट से हटने की बातें कही जा रही थीं। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (क्वास्न) ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। हालांकि, भारत सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा दिया था।

हॉकी एशिया कप का नया ड्रॉ- एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट एशिया कप से हटने के साथ ही पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने का एक मौका गंवा दिया है। दरअसल, एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट मिलता है। हॉकी का अगला वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा।

पृथ्वी शॉ ने ठोका तूफानी शतक, टीम इंडिया में वापसी के लिए बना डाले इतने रन

नई दिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ को भले ही दुनिया कोसती रहती है लेकिन अब इस खिलाड़ी ने वो काम कर दिखाया है जिसके बाद अब उन्हें हर कोई सलाम कर रहा है. पृथ्वी शॉ ने बुच्ची बाबू ट्रॉफी में महाराष्ट्र की ओर से शानदार शतक ठोक दिया. शॉ महाराष्ट्र की टीम के लिए पहली बार मैच खेलने उतरे और उन्होंने डेब्यू मैच में ही कमाल कर दिखाया. शॉ ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 111 रनों की पारी खेली. शॉ ने अपनी इस पारी में 141 गेंदें खेली और उनका स्ट्राइक रेट 78 से ज्यादा का रहा. शॉ की बल्लेबाजी के कमाल का अंदाजा आप इस बात से लगाइए कि उन्होंने पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया.

महाराष्ट्र को पृथ्वी शॉ ने संभाला – पृथ्वी शॉ की ये पारी इसलिए भी कमाल है क्योंकि उन्होंने मुश्किल वक्त पर सेंचुरी ठोकी है. जब महाराष्ट्र की टीम के बल्लेबाज ताश के पत्तों की तरह बिखर रहे थे, उस वक्त शॉ ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर विरोधी गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेला. महाराष्ट्र ने सिर्फ 86 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, टॉप ऑर्डर के पांच में से 4 बल्लेबाज 10,4, 1 और 0 का योगदान ही दे सके. ऋतुराज गायकवाड़ भी महज 4 रन बना पाए लेकिन शॉ ने ताबड़तोड़ बैटिंग कर महाराष्ट्र को गेम में बनाए रखा. शॉ जब आउट हुए तो महाराष्ट्र का स्कोर 166 रन था और इसमें उनका योगदान रहा 111 रन.

मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र में हुए शामिल – बता दें पृथ्वी शॉ ने हाल ही में मुंबई की घरेलू टीम का साथ छोड़ा है. खराब फिटनेस की वजह से उन्हें रणजी ट्रॉफी में ड्रॉप कर दिया गया था. इसके बाद शॉ ने बड़ा फैसला लेते हुए महाराष्ट्र की टीम का हाथ थामा और पहले ही मैच में उन्होंने अपनी क्लास दिखा दी. वैसे पृथ्वी शॉ का बड़ा लक्ष्य टीम इंडिया में वापसी करना है. वो लंबे समय से टीम से बाहर हैं. अगर वो ऐसी ही पारियां खेलते रहे तो उन्हें वापस सेलेक्ट करना चयनकर्ताओं की मजबूरी बन जाएगा.

कपिल बैंसला ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के पलवल के कपिल बैंसला ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाया और उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 0.6 अंक से पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर रहे।

कपिल के हमवतन जोनाथन गेविन एंटनी ने 220.7 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता, लेकिन 24 शॉट के फाइनल में 22वें शॉट के बाद बाहर हो गए। इससे पहले कपिल ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक बनाकर चौथा स्थान हासिल किया था और जोनाथन के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई थी। जोनाथन 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। मुकेश नेलावली जोनाथन से केवल दो इनर 10 अंक कम थे और तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी पहुंच गए। कोरियाई खिलाड़ी किम डूयोन ने भी 582 अंक हासिल करके शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन जोनाथन की तुलना में आंतरिक 10-रिंग में कम से कम छह शॉट ज्यादा लगाए। इल्खोमबेक फाइनल में सबसे तेज रहे, कपिल लगातार उनका पीछा करते रहे और फिर 15वें शॉट के बाद पहली बार उनसे आगे निकल गए। उज्बेक खिलाड़ी ने 20वें शॉट के बाद बढ़त हासिल कर ली और अंतिम दो में कपिल से पूरे एक अंक आगे थे। इसके बाद युवा भारतीय खिलाड़ी ने 10.8 और 10.6 अंक हासिल किए जबकि इल्खोमबेक ने 10.4 अंक हासिल करने के बाद 23वें शॉट में 9.4 अंक हासिल किए और कपिल को खिताब दिला दिया। कपिल और जोनाथन ने विजय तोमर के साथ मिलकर कुल 1723 अंक हासिल करके इस स्पर्धा का टीम रजत पदक जीता। कोरिया ने 1734 अंक के साथ स्वर्ण और मेज़बान कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता।

सीनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में एकमात्र भारतीय अनमोल जैन 155.1 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। चीन के हू काई ने स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन ने इस स्पर्धा में टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी जीता। अनमोल ने आदित्य मालरा और सौरभ चौधरी के साथ मिलकर 1735 अंकों के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता। इस प्रकार भारत ने पहले दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया, जबकि दूसरे दिन मंगलवार को महिला और जूनियर महिला एयर पिस्टल के फ़ाइनल निर्धारित समय पर खेले जाने थे।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर आस्था विद्या मंदिर के बच्चों ने नृत्य प्रस्तुति दी

जिला स्तरीय स्वतन्त्रता दिवस समारोह दंतेवाड़ा में बच्चों को सम्मानित किया गया

गीदम/दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

भारत के 26वाँ राज्य छत्तीसगढ़ का गठन कर के 25 वर्ष पूर्ण हुआ। किसी समय इस क्षेत्र में 36 गढ़ थे, इसीलिये इसका नाम छत्तीसगढ़ पड़ा। भारत का ऐसा राज्य है जिसे 'महतारी'(माँ) का दर्जा दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे प्रदेश में ÷छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव÷ का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग के द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 में प्रदेश के समस्त जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में ÷छत्तीसगढ़ रजत प्रतीक चिन्ह÷ का उपयोग कर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुति देने का दिशा निर्देश दिया गया था। इसका परिपालन में जिला प्रशासन दंतेवाड़ा तत्वावधान में स्कूल शिक्षा विभाग दंतेवाड़ा सहयोग से आस्था विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल जावंगा के बच्चों ने विकसित छत्तीसगढ़ पर आधारित सांस्कृतिक नृत्य दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय परेड मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भव्य रूप से प्रस्तुति दिया। नृत्य में छत्तीसगढ़ में पूरे 25 वर्ष में विकास कार्यों, शासन के योजनाएं एवं उपलब्धियों को सुंदर ढांचे के रूप में प्रदर्शन किया। जिसे देखकर उपस्थित समस्त लोग मंत्रमुग्ध होगए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी और अन्य जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद जिले एवं प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, उद्योग, व्यापार, बुनियादी ढाँचे और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत आईएएस, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा आईएएस, पुलिस अधीक्षक गौरव राय आईपीएस, जिला शिक्षा अधिकारी एस के अंबस्ता, जिला मिशन समन्वयक हरीश प्रताप गौतम, एपीसी राजेंद्र प्रसाद पांडे, आस्था विद्या मंदिर प्राचार्य बिरेंद्र कुमार शर्मा ने बच्चें एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को शुभकामनाएं व बधाई दी। बच्चों का उक्तृष्ट प्रस्तुति के लिए अतिथियों एवं अधिकारियों ने स्मृति चिन्ह भेंट दे कर सम्मानित किया।

छपोरा नरियरा बिजली स्टेशन में लगातार कटौती से ग्रामीण परेशान

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, समाधान की उठाई मांग

जांजगीर चांपा/सक्ती/मूक पत्रिका

जिले के छपोरा नरियरा बिजली सब स्टेशन क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से ग्रामीणों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। रोज़ाना घंटों बिजली गायब रहने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर किसानों, छात्रों और छोटे व्यापारियों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली कभी भी आ जाती है और कभी भी कट जाती है, जिससे ना तो सिंचाई हो पा रही है, ना ही बच्चों की पढ़ाई। घरों में पानी की किल्लत बढ़ गई है क्योंकि मोटर नहीं चल पा रहे। दुकानदारों ने बताया कि लगातार बिजली जाने से उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है, और इनवर्टर भी जवाब दे चुके हैं। स्थानीय निवासीयों ने बताया, की÷हमने कई बार बिजली विभाग को शिकायत की, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। बारिश के मौसम में तो हालात और भी खराब हो जाते हैं।÷ ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, नहीं तो वे सामूहिक रूप से प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

बिजली विभाग का क्या कहना है?-जब इस विषय पर बिजली विभाग के अधिकारियों से बात की गई, तो उन्होंने तकनीकी खराबी और ट्रांसमिशन लाइन में समस्या का हवाला देते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। अब देखना यह होगा कि प्रशासन और बिजली विभाग कब तक इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान निकालते हैं, ताकि छपोरा और नारियारा स्टेशन आसपास के गांवों को राहत मिल सके।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय -दतान (खैरा) में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'बाल विवाह रोकथाम' परिचर्चा

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय -दतान(ख) बगबुडा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्कूल परिसर में छात्र एवं छात्राओं को बाल विवाह रोकथाम के बारे में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सभी छात्र एवं छात्राओं को एक जगह बैठाकर बाल विवाह के दुष्परिणाम के बारे में विस्तार से जानकारी दी संस्था के प्रभारी प्राचार्य चन्द्र कुमार बंछोर भूतपूर्व सैनिक ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारीयों का स्वागत अभिनन्दन किया सभी अधिकारियों का परिचय कराया संस्था के प्राचार्य ने कहा कि इस तरह का कार्य शाला स्कूल परिसर में नहीं हुआ है अधिकारी द्वारा बताए गए बातों को छात्र एवं छात्राएं बहुत ही ध्यान से सुन रहे थे गामिण अंचल में बाल विवाह रोकथाम का प्रचार प्रसार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंम सेवकों द्वारा आये दिन जागरूकता अभियान रैली के माध्यम से चलाया जाता है आने वाले दिनों में और ज्यादा बाल विवाह रोकथाम के बारे में अभियान चलाया जाएगा।

जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों को सत्ता का संरक्षण, ओवर रेट पर खाद खरीदने मजबूर हैं किसान

खाद की किल्लत से किसान परेशान, सहकारी सोसाइटियों में नहीं मिल रहा है यूरिया, डीएपी

रायपुर /मूक पत्रिका

डीएपी खाद के बाद अब यूरिया के संकट के लिए सरकार को ज़िम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि समय पर यूरिया, डीएपी खाद नहीं मिलने से फसलों की वृद्धि रुकने लगी है, खरीफके उत्पादन का संकट उत्पन्न हो गया है लेकिन यह सरकार अब तक सोई हुई है। सहकारी सोसाइटियों में यूरिया और डीएपी खाद का पर्याप्त भंडारण नहीं किया गया है जिसका फायदा खाद के कुछ निजी दुकानदार उठा रहे हैं। किसानों को 266 रुपए वाला यूरिया बोरी वाला डीएपी 2000 तक में 1000 तक और 1350 रुपए प्रति खरीदना पड़ रहा है। इस सरकार में जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों को खुली छूट है। कर्ज लेकर किसानी करने वाले किसानों को अब अपनी मेहनत और लागत की चिंता सता रही है, खरीफ की फसल पर सत्ता प्रायोजित संकट के बादल छा गये है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मौसम छत्तीसगढ़ के किसानों के अनुकूल होने के बावजूद सरकार के दुर्भावना के चलते किसान आज संकट में है। किसानों की आवश्यकता से आधे खाद की उपलब्धता भी सहकारी सोसाइटियों में नहीं है। खरीफके सीजन शुरू होने से 2 से 3 महीना पहले ही किसान अपने डिमांड संबंधित समितियों में लिखवा चुके थे, सरकार को समय पर खाद के रेक और भंडारण की व्यवस्था कर लेनी चाहिए थी, लेकिन सरकार की दुर्भावना, उपेक्षा और बदइंतजामी का खामियांजा प्रदेश के किसान भोगने मजबूर हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि खाद संकट को लेकर भाजपा सरकार का चरित्र शुतुरमुर्ग की तरह है। यह सरकार नहीं चाहते कि छत्तीसगढ़ के किसान भरपूर पैदावार ले सकें, ताकि समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी कम करनी पड़े। यही कारण है कि यह सरकार खाद की किल्लत दूर करने और आपूर्ति सामान्य करने कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। यदि व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो खाद संकट के खिलाफ कांग्रेस पूरे प्रदेश में किसानों के साथ आंदोलन करेगी।

उत्कृष्ट कार्य के लिए आमाबेड़ा वनपरिक्षेत्र के परिक्षेत्र सहायक सूरज कुमार गंधर्व सम्मानित

कांकेर /मूक पत्रिका

उत्तर बस्तरकांकेर भानुप्रतापपुर पूर्व वनमंडल के आमाबेड़ा वनपरिक्षेत्र में पदस्थ परिक्षेत्र सहायक (अर्रा) सूरज कुमार गंधर्व को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। 15 अगस्त को आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने सूरज कुमार गंधर्व को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। श्री गंधर्व ने अपने कार्यकाल में वन संरक्षण, अवैध कटाई पर रोकथाम, वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने जैसे उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इन्हीं प्रयासों के चलते उन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ। सम्मान मिलने के बाद रविवार 17 अगस्त को दोपहर 12 बजे उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि वनमंडल के वरिष्ठ अधिकारियों और जिला प्रशासन के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने सभी का आभार जताते हुए भविष्य में भी इसी तरह वन एवं पर्यावरण की रक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया।

नवीन शासकीय महाविद्यालय भिंभौरी में दीक्षारंभ कार्यक्रम सम्पन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नवीन शासकीय महाविद्यालय भिंभौरी में बीते बुधवार को नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर पंचायत संदीप परगनिहा थे । अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर ठाकुर ने की । कार्यक्रम में पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधि छात्र-छात्राएं उपस्थित थे ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंटकर किया गया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीतों ने पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया।

मुख्य अतिथि परगनिहा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का साधन नहीं बल्कि चरित्र निर्माण का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की मूल भावना को समझते हुए तकनीकी एवं नैतिक शिक्षा को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

प्राचार्य डॉ, ठाकुर ने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें समाजोपयोगी बनाना है। कार्यक्रम के दौरान सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का क्रमवार परिचय नवप्रवेशित विद्यार्थियों से कराया गया।आभार प्रदर्शन प्राध्यापकगण द्वारा किया गया। इसी के साथ दीक्षारंभ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चांपा ने मनाई भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती

जांजगीर चाम्पा/मूक पत्रिका

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चाम्पा द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती 20 अगस्त 2025 को ब्लॉक कार्यालय सिंधी कॉलोनी में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष सुनील साधवानी ने किया तथा आभार प्रदर्शन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने व्यक्त किया। संगोष्ठी के दौरान राजीव गांधी के जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि वे भारत को 21वीं सदी में ले जाने वाले दूरदर्शी नेता थे। राजीव गांधी का योगदान भारत के तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांति के क्षेत्र में सदैव याद किया जाएगा।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी कृष्णाराव भूरे, अनिल मोदी, किशन सोनी, नेता प्रतिपक्ष हरीश पांडेय, दीपक गुप्ता, समद बेग, माणिक मसीह, जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता, जिला महामंत्री सेवक बुटू देवांगन, पार्षद पुरुषोत्तम देवांगन, पवन साहू, अंजली देवांगन, ललित देवांगन, पूर्व पार्षद गुलशन सोनी, शर्मिष्ठा कंसारी, गोविंद देवांगन, डुग्गु प्रधान, श्यामलाल देवांगन, शिवशंकर निषाद, राम साधवानी, सुमित चौहान, संजय साधवानी, छबिलाल पटेल, इतवारी यादव सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सरकार डरती है, पुलिस को आगे करती है - नरेंद्र यादव

मुख्यमंत्री के सूरजपुर दौरे पर युवा कांग्रेस का तीखा विरोध - जिला अध्यक्ष नजरबंद

सूरजपुर/मूक पत्रिका

प्रदेश में बढ़ती महंगाई, अपराध, किसानों के लिए खाद, यूरिया की भारी किल्लत और जर्जर सड़कों पर गुस्से से उबल रही युवा कांग्रेस ने बुधवार को मुख्यमंत्री के सूरजपुर प्रवास पर काला झंडा दिखाने का ऐलान किया था। लेकिन कार्यक्रम से पहले ही प्रशासन हरकत में आ गया और सूरजपुर जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस नरेंद्र कुमार यादव को सुबह से नजरबंद कर दिया।

सरकार पर हमला, जनता की आवाज से डरी विष्णुदेव सरकार-नजरबंदी के बाद नरेंद्र यादव ने सरकार पर सीधा वार करते हुए कहा है कि विष्णुदेव सरकार जनता की आवाज से डरती है, इसलिए पुलिस को ढाल बनाती है। छत्तीसगढ़ का किसान खाद-यूरिया के लिए दर-दर भटक रहा है, सड़कें मौत का जाल बन चुकी हैं, अपराध चरम पर हैं। इन हालातों के बावजूद सरकार जश्न में मशगूल है। हम चुप नहीं बैठेंगे।

ना डरे हैं, ना डरेंगे, आंदोलन जारी रहेगा-नरेंद्र यादव ने दो टूक कहा है कि हमने लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण विरोध का रास्ता चुना था। लेकिन सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश की है। हमें रोकने की कितनी भी कोशिश हो, किसान और जनता के हक की आवाज बुलंद करते रहेंगे। ना डरे हैं, ना डरेंगे, किसानों के हक की बात करेंगे।

युवा कांग्रेस का ऐलान, विरोध और तेज होगा-युवा कांग्रेस ने साफ कहा कि यह विरोध शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक था। संगठन ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो विरोध और भी उग्र और व्यापक होगा।

किसानों के मुद्दे गरमाए, सरकार पर जवाबदेही का दबाव-युवा कांग्रेस के अनुसार, खाद-यूरिया की कमी से किसान बेहाल हैं, सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। इसके बावजूद सरकार चुप्पी साधे बैठी है। जनता अब चुप नहीं बैठेगी। नेताओं को जवाब देना होगा। सिर्फ भाषण नहीं, समाधान चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।